धनबाद, मंगलवार
07 जुलाई 2026
वर्ष : 03 अंक : 277
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

राष्ट्रपति मुर्मु ने छह देशों के राजदूतों और उच्चायुक्तों का परिचय-पत्र स्वीकार किया

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में छह देशों के राजदूतों और उच्चायुक्तों से उनके परिचय-पत्र स्वीकार किए।

राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति ने मोजाम्बिक के उच्चायुक्त अरमांडो पेड्रो मुइआने जूनियर, निकारागुआ की राजदूत नदेस्का इमारा कथबर्ट कार्लसन, सूरीनाम की राजदूत हनीशा जयराम, गैबोनीज के उच्चायुक्त ऑरेलियन-मार्सेल मिंट्सा न्गुएमा, मंगोलिया के राजदूत डॉ. उल्जीत लुव्सानजाव तथा बहामास के उच्चायुक्त पीटर निकोलस साइमोनेट से उनके परिचय-पत्र स्वीकार किए।

प्रिचय-पत्र प्रस्तुत करने की यह औपचारिक प्रक्रिया भारत और संबंधित देशों के बीच राजनयिक संबंधों को आगे बढ़ाने तथा नवनियुक्त राजनयिकों को भारत में आधिकारिक रूप से अपना कार्यभार संभालने की मान्यता प्रदान करती है।

कोलकाता में अभिनेता प्रसेनजीत चटर्जी से मिले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

कोलकाता, (एजेंसी) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को अपने कोलकाता दौरे के दौरान वरिष्ठ अभिनेता प्रसेनजीत चटर्जी के बालीगंज स्थित आवास पर उनसे मुलाकात की। यह मुलाकात उनके पूर्व निर्धारित सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल नहीं थी, जिसके बाद इसे लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में विभिन्न तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं।

अमित शाह सबसे पहले कोलकाता हवाई अड्डे से ईको पार्क पहुंचे, जहां उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 फुट ऊंची प्रतिमा की आधारशिला रखी। इसके बाद वह भवानीपुर स्थित डॉ. मुखर्जी के पैतृक आवास गए और वहां कुछ समय बिताया।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उन्हें वहां से मिलन मेला में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना था, लेकिन उससे पहले वह सीधे प्रसेनजीत चटर्जी के आवास पहुंच गए और उनसे मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात को लेकर किसी भी पक्ष की ओर से आधिकारिक रूप से बातचीत का विवरण साझा नहीं किया गया है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।उल्लेखनीय है कि, इसी वर्ष सात फरवरी को केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार भी अभिनेता प्रसेनजीत चटर्जी के आवास पहुंचे थे। उस समय उनके साथ अभिनेता रुद्रनील घोष भी मौजूद थे।

पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों के लिए 24 जुलाई को मतदान

नई दिल्ली, (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों के लिए 24 जुलाई को मतदान होगा। तीनों सीटें तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्यों के इस्तीफे के चलते रिक्त हुई हैं। चुनाव आयोग ने सोमवार को तीनों सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की।चुनाव आयोग के अनुसार मंगलवार को इन सीटों के लिए अधिसूचना जारी होगी और 14 जुलाई तक नामांकन किया जा सकता है। 24 जुलाई को सुबह 9 से शाम 4 बजे तक मतदान होगा और उसी दिन शाम 5 बजे से मतगणना होगी।पश्चिम बंगाल से राज्यसभा सदस्य सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक ने क्रमशः 8, 10 और 11 जून को इस्तीफा दे दिया था, जबकि उनका कार्यकाल 2029 तक था। इन नेताओं ने उच्च सदन के साथ अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस भी छोड़ दी थी।

उल्लेखनीय की पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद से तृणमूल कांग्रेस के बहुत से नेता पार्टी छोड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की समीक्षा बैठक की, कहा अंडरग्राउंड माइंस क्षेत्रों को चिन्हित कर पर्यटक क्षेत्र बनाया जायेगा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य में अंडरग्राउंड कोल माइंस क्षेत्र में इको टूरिज्म विकसित करने का निर्देश दिया है। वह सोमवार को प्रोजेक्ट भवन में पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। सीएम निर्देश दिया कि राज्य के भीतर कई अंडरग्राउंड कोल माइंस क्षेत्र हैं।इन अंडरग्राउंड माइंस क्षेत्रों को चिन्हित कर टूरिज्म की संभावनाओं पर कार्य योजना बनायी जाये। मुख्यमंत्री ने सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, लातेहार, हजारीबाग, रांची सहित अन्य जिले जहां-जहां इको टूरिज्म की संभावनाएं हैं ऐसे जगहों को विकसित करने हेतु शीघ्र कार्य तैयार करने का निर्देश दिया। बैठक में विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार

उपस्थित थे। सीएम ने कहा कि पर्यटन के विकास से राज्य की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा मिलेगी साथ ही स्थानीय लोगों के लिए रोजगार तथा स्वरोजगार के नये अवसर भी सृजित किए जा सकेंगे।सीएम ने कहा कि झारखंड में इको टूरिज्म की असीम संभावनाएं हैं।यहां इको टूरिज्म सर्किट विकसित कर पर्यटन को नयी पहचान दिलाई जा सकती है।इसके लिए प्लान बनाकर आगे बढ़ें। राज्य के भीतर प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक एवं इको टूरिज्म स्थलों का योजनाबद्ध एवं समग्र विकास सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने झारखंड राज्य की पर्यटन नीति तैयार करने का निर्देश भी अधिकारियों को दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पतरातू घाटी की सुंदरता देखने योग्य है। पतरातू व्यू पॉइंट बनाये जाने के कार्य को गति प्रदान करें तथा पतरातू सहित अन्य अन्य जरूरत वाले पर्यटन स्थलों पर रोपवे स्थापित किये जाने का प्लान तैयार करें।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि लातेहार जिले में अवस्थित नेतरहाट में ग्लास वॉच टावर अथवा ग्लास ब्रिज लगाये जाने की कार्य योजना बनाएं साथ ही वहां कोयल व्यू पॉइंट कॉटेज बनाने, ट्रैकिंग की सुविधा विकसित करने तथा स्विमिंग पूल आदि कार्यों पर के विकास पर बल दिया तथा लोध फॉल में इको टूरिज्म के बढ़ावा देने पर जोर दिया।सीएम ने खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि कोई भी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतिस्पधाओं में मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों द्वारा सब्जी बेचने या अन्य कोई कार्य करने संबंधी सूचना या शिकायत नहीं आनी चाहिए। ऐसे खिलाड़ियों का डेटाबेस तैयार करें तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि देने संबंधी योजनाएं तैयार करें।सीएम ने खेलगांव में स्थापित मेगा स्पोर्ट्स व्यवस्था की अद्यतन स्थिति का सुक्षमता से आकलन कर उसका मेंटनेंस, वित्त प्रबंधन, खिलाड़ियों की मुलभूत सुविधाओं आदि से संबंधित कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया। सीएम ने झारखंड में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना के लिए योजना तैयार करने का निर्देश दिया।साथ ही विभिन्न खेल के क्षेत्र में नामचीन व्यक्तियों को झारखंड में भ्रमण कराने तथा झारखंड के खिलाड़ियों को भी दूसरे राज्यों में एक्सपोजर विजिट कराने का निर्देश दिया।कलाकारों के डेटाबेस के बाबत अधिकारियों ने सीएम को जानकारी दी कि राज्य में अबतक करीब 12 हजार कलाकारों का निबंधन हुआ है।सीएम ने सबका सत्यापन कराने का निर्देश दिया।बैठक में ललित कला, साहित्य कला एवं अन्य कलाओं के समग्र विकास पर चर्चा हुई।बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विभागीय सचिव मुकेश कुमार. निदेशक पर्यटन नमन प्रियेश लकड़ा, निदेशक खेल छवि रंजन, सहित अन्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों ने की मुलाकात, निवेश और वैश्विक सहयोग पर हुई चर्चा

रांची, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सोमवार को झारखंड मंत्रालय में भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के दो वरिष्ठ अधिकारियों मोहम्मद शाहिद आलम और सुशील प्रसाद ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य के विकास, निवेश की संभावनाओं और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत बनाने सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में मुख्यमंत्री ने झारखंड में निवेश आकर्षित करने, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और राज्य की विकास योजनाओं को वैश्विक स्तर पर सहयोग से जोड़ने की रणनीति पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के माध्यम से राज्य में नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं। चर्चा के दौरान प्रवासन और गतिशीलता (माइग्रेशन एंड मोबिलिटी) साझेदारी, वन्यजीव पर्यटन के विकास, कौशल विकास, शिक्षा क्षेत्र में सहयोग और भारतीय प्रवासी समुदाय की भागीदारी जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। इसके साथ ही झारखंड की प्रशासनिक व्यवस्था और विकास यात्रा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी दोनों अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के साथ चर्चा की। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि भारतीय विदेश सेवा के 2010 बैच के अधिकारी मोहम्मद शाहिद आलम वर्तमान में लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में और सुशील प्रसाद नैरोबी स्थित भारतीय उच्चायोग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। दोनों अधिकारी इन दिनों मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम (मिड-कैरियर ट्रेनिंग प्रोग्राम) के तहत झारखंड दौरे पर हैं।

राजनीति में युवाओं को आगे आना होगा, तभी होगा बड़ा बदलाव : दीपिका पांडेय सिंह

रांचीः झारखंड की ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायतीराज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) द्वारा आयोजित छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जीवन में वही क्षेत्र चुनें, जिसमें उनकी वास्तविक रुचि हो। विज्ञान, तकनीकी शिक्षा, कला, वाणिज्य, खेल अथवा संस्कृति जिस भी क्षेत्र में विद्यार्थी समर्पण और उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ेंगे, सफलता निश्चित रूप से उनके कदम चूमेगी।मंत्री श्रीमती सिंह ने विद्यार्थियों से राजनीति, समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि वे समाज में बड़ा और सकारात्मक बदलाव लाना चाहते हैं तो उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी निभाने का साहस भी रखना होगा। उन्होंने कहा कि एक संवेदनशील, शिक्षित और

दूरदर्शी नेतृत्व लाखों लोगों के जीवन को नई दिशा दे सकता है। देश और राज्य को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है, जो समान अवसर, सामाजिक न्याय और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दे।

अपने संबोधन में उन्होंने हाल के दिनों में सामने आए पेपर लीक और सीबीएसई मूल्यांकन प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष कई विद्यार्थियों को मूल्यांकन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्हें गर्व है कि झारखंड के एक मेधावी छात्र ने गहन अध्ययन के माध्यम से मूल्यांकन प्रक्रिया की विसंगतियों को उजागर किया, जिसकी सराहना स्वयं आदरणीय राहुल गांधी जी ने भी की।

उन्होंने यह भी कहा कि पुनर्मूल्यांकन के बाद झारखंड की एक छात्रा का राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त करना इस बात का संकेत है कि मूल्यांकन प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता है। अनेक विद्यार्थियों को अपेक्षा से कम अंक मिलने के कारण उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जो अत्यंत चिंता का विषय है।दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने विश्वास दिलाया कि ऐसी परिस्थितियों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए हर स्तर पर आवाज उठाई जाएगी। उन्होंने बताया कि आदरणीय राहुल गांधी जी के नेतृत्व में ₹छात्रों की गूंज₹ अभियान इसी उद्देश्य से चलाया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया जा सके और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो।उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे किसी भी परिस्थिति में निराश न हों, अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दें और अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर मेहनत करते रहें। उन्होंने कहा कि मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती और विद्यार्थियों के अधिकारों की रक्षा तथा शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए हर संभव प्रयास जारी रहेगा।कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्रीमती सिंह ने सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी उपलब्धियों के लिए पुनः बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिभाशाली विद्यार्थी ही कल के जिम्मेदार नागरिक, संवेदनशील नेता और विकसित झारखंड तथा विकसित भारत के निमार्ता बनेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी का इंडोनेशिया में भव्य स्वागत, राष्ट्रपति सुबियांतो स्वयं पहुंचे हवाई अड्डे

नई दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी यात्रा के पहले चरण में सोमवार को इंडोनेशिया पहुंचे, जहां इंडोनेशिया राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रोटोकॉल तोड़ते हुए स्वयं हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी के इंडोनेशिया में भव्य स्वागत में वहां की वायु सेना का सुरक्षा दस्ता भी शामिल था। सुरक्षा दस्ते ने प्रधानमंत्री मोदी के विमान को एस्कॉर्ट किया। राष्ट्रपति के अलावा इंडोनेशिया विदेश मंत्री सुगियोनो, सचिवालय मंत्री प्रासेत्यो हादी और कैबिनेट सचिव टेडी इंद्र विजया सहित चार मंत्री भी उनके स्वागत के लिए वहां मौजूद रहे।प्रधानमंत्री मोदी की 6 से 11 जुलाई तक तीन देशों इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा पर है। इंडोनेशिया में वह राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे। इसके अलावा वह भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे और योग्याकार्ता में प्रसिद्ध प्रम्बानन मंदिर परिसर का दौरा करेंगे।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर उनके पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि

प्रधानमंत्री मोदी राजकीय यात्रा पर जकार्ता पहुंचे हैं। आगमन पर हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति ने उनका विशेष स्वागत किया। इसके अलावा चार मंत्री भी प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए उपस्थित रहे। 2018 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर संबंधों को उन्नत करने के बाद से इंडोनेशिया की यह प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, ह्मैं जकार्ता पहुंच गया हूं। हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने व्यक्तिगत रूप से मेरा स्वागत किया, जिससे मैं अत्यंत भावुक हो गया। 2018 में, हमने अपने दोनों देशों के बीच संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया, जिससे हमारे लोगों को अनेक लाभ प्राप्त हुए हैं। इस यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और मैं विभिन्न क्षेत्रों में इस साझेदारी को और अधिक गति प्रदान करने के उद्देश्य से चर्चा करेंगे। राष्ट्रपति प्रबोवो और मैं योग्याकार्ता में स्थित प्रंबानन मंदिर परिसर का भी दौरा करेंगे। यह यात्रा हमारे दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक मजबूत करेगी। इंडोनेशिया में रहते हुए, मैं भारतीय समुदाय के साथ संवाद स्थापित करने के अवसर की भी प्रबल प्रतीक्षा कर रहा हूं।

शराब घोटाला : पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव के बेटे से ईडी की पूछताछ जारी

रांची, (एजेंसी) : झारखंड के चर्चित शराब घोटाले की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव के बेटे रोहित उरांव सोमवार को निर्धारित समय पर रांची के हिनू स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे, जहां उनसे पूछताछ शुरू कर दी गई है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ईडी ने आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद रोहित उरांव से पूछताछ प्रारंभ की। जांच एजेंसी उपलब्ध दस्तावेजों, वित्तीय लेन-देन और अब तक जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर उनसे विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी जुटा रही है। पूछताछ का केंद्र शराब घोटाले से जुड़े कथित आर्थिक लेन-देन और अन्य तथ्यों को माना जा रहा है।

ईडी की जांच झारखंड के कथित शराब घोटाले और उससे जुड़े कारोबारी योगेंद्र तिवारी से संबंधित मामलों पर केंद्रित है। इसी जांच के दौरान एजेंसी ने रोहित उरांव को दूसरा समन जारी कर छह जुलाई को रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया था।वहीं, पूर्व वित्त मंत्री

रामेश्वर उरांव को भी ईडी ने पूछताछ के लिए सात जुलाई को तलब किया है। एजेंसी उनसे भी शराब घोटाले की जांच से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ करेगी।

इससे पहले ईडी ने रोहित उरांव को पहला समन जारी कर 29 जून को और रामेश्वर उरांव को 30 जून को पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि, दोनों ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए तीन-तीन सप्ताह का समय मांगा था।ईडी ने उनके अनुरोध पर विचार करने के बाद केवल एक सप्ताह की मोहलत दी और दूसरा समन जारी करते हुए रोहित उरांव को छह जुलाई तथा रामेश्वर उरांव को सात जुलाई को ईडी कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया था।अब रोहित उरांव से जारी पूछताछ और मंगलवार को रामेश्वर उरांव की प्रस्तावित पेशी को इस मामले की जांच में अहम माना जा रहा है। ईडी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कथित शराब घोटाले से जुड़े आर्थिक लेन-देन, निर्णय प्रक्रिया और अन्य संबंधित पहलुओं में किसी प्रकार की भूमिका या जानकारी रही है या नहीं। जांच एजेंसी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

संक्षिप्त खबरें

प्लांट लोड फैक्टर में पूरे देश में टॉप पर रहा चंद्रपुरा थर्मल प्लांट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : डीवीसी का चंद्रपुरा थर्मल पावर प्लांट जून 2026 में प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) में पूरे देश में टॉप पर रहा है।मार्च 26 में भी यह प्लांट पहले स्थान पर रहा था।इस बाबत सोमवार को भारत सरकार विद्युत मंत्रालय के अधीन वैधानिक संगठन केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने पीएलएफ को लेकर रिपोर्ट जारी की है।इस रिपोर्ट में बताया गया है कि चंद्रपुरा प्लांट की यूनिटों ने 86.72 प्रतिशत पीएलएफ पर चलकर पूरे देश में बेहतर विद्युत उत्पादन किया है। प्राधिकरण की सूचि में टॉप 10 में आये थर्मल प्लांटों में डीवीसी के दो प्लांट शामिल है। पहले नंबर पर चंद्रपुरा और तीसरे नंबर पर बोकारो थर्मल (85.61 प्रतिशत) है। बता दें कि मार्च 26 में भी चंद्रपुरा प्लांट ने 94.81 प्रतिशत पीएलएफ पर चलकर पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया था।इधर दुसरी बार विद्युत उत्पादन में टॉपर बनने पर सीटीपीएस के मुख्य महाप्रबंधक सह परियोजना प्रधान आरके अनुभवी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सभी के सहयोग से संभव हुआ है।बता दें कि चंद्रपुरा प्लांट में दो यूनिटें है जिसकी कुल क्षमता 500 मेगावाट है। पहले भी यह प्लांट कई बार पीएलएफ के मामले में टॉप टेन पर रहा है।

वनरक्षियों का प्रशिक्षण शुरू,प्रशिक्षण हर स्थिति से निपटने में सहायक होगा : निदेशक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : वन उत्पादकता संस्थान में वनरक्षियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वनरक्षियों को कौशल विकास, शारीरिक दक्षता और तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करने के उद्देश्य यह प्रशिक्षण पांच दिनों तक चलेगा।इसका उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ अमित पाण्डेय ने किया।उन्होंने कहा कि वनरक्षी वन विभाग की रीढ़ की हड्डी हैं।बदलती पर्यावरणीय चुनौतियों और तकनीकी युग में, वनों और वन्यजीवों की रक्षा के लिए हमारे अग्रिम पंक्ति के कर्मियों का कुशल और सजग होना अनिवार्य है।यह प्रशिक्षण उन्हें हर परिस्थिति से निपटने के लिए सक्षम बनाएगा। संस्थान के वरीय वैज्ञानिक सह समूह अनुसंधान समन्वयक डॉ योगेश्वर मिश्रा ने संस्थान में चल रहे विभिन्न शोध कार्यों की चर्चा की।वन प्रशिक्षण संस्थान, महिलौंग के प्रशिक्षण प्रभारी सुनील कुमार ने प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के उपरांत अपने- अपने कार्य-क्षेत्र मे उपयोग करने का आह्वान किया। संस्थान के विस्तार प्रभाग की अध्यक्ष रुबी सुसाना कुजूर ने संस्थान के संस्थागत परिचय और प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा से प्रशिक्षुओं को अवगत कराया।इस दौरान वनरक्षियों को बांस पौधशाला एवं रोपण तकनीक, वन मृदा कार्ड, कृषि वानिकी, जीआइएस का वानिकी में प्रयोग, मृदा जांच, वृक्ष आधारित औषधीय पौधे के बारे में बताया जायेगा।लाह की खेती व प्रसंस्करण, वानिकी में उत्तक संवर्द्धन, जैव-विविधता संरक्षण, वन व्याधियां एवं उपचार के बारे में जानकारी दी जायेगी।

बैंक की लापरवाही पर फूटा गुस्सा,वृद्ध का शव गेट पर रख ग्रामीणों ने दो घंटे तक किया प्रदर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : बड़गड़ प्रखंड के आदिवासी बहुल क्षेत्र में स्थित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक की बड़गड़ शाखा की कार्यप्रणाली के खिलाफ सोमवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा।केवाईसी अपडेट के नाम पर पिछले तीन महीने से वृद्धावस्था पेंशन के लिए भटक रहे महुआडीह गांव निवासी रतन लकड़ा (75 वर्ष) की सोमवार को मौत हो गई।परिजनों का आरोप है कि बैंक की लापरवाही के कारण समय पर पेंशन की राशि नहीं मिली, जिससे वृद्ध का समुचित इलाज नहीं हो सका और उनकी जान चली गई। मौत से आक्रोशित परिजन और सैकड़ों ग्रामीण शव को लेकर सीधे बड़गड़ स्थित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक पहुंचे और मुख्य गेट के सामने शव को रखकर करीब दो घंटे तक धरना-प्रदर्शन किया।प्रदर्शनकारी शाखा प्रबंधक कृष्ण कुमार एवं बैंक मैसेंजर हेमंत कुमार उर्फ नंदलाल पर गंभीर आरोप लगाते हुए दोनों के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज करने की मांग कर रहे थे।इस दौरान बैंक प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।घटना की सूचना मिलने पर बड़गड़ थाना प्रभारी दीपक कुमार मौर्य के निर्देश पर पुअनि राजेश कुमार वर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया।धरना का नेतृत्व कर रहे सामाजिक कार्यकताओं, मृतक की पुत्रवधू फुलमनी लकड़ा, जयप्रकाश मींज, अर्जुन मींज, फिलीप कुमार, बुद्धलाल केरकेट्टा, संजय कुजूर, बिरद लकड़ा, रायमन कच्छप व सीमा कच्छप आदि से थाना प्रभारी ने बैंक के मेदिनीनगर रीजनल मैनेजर (आरएम) की फोन पर ओपन स्पीकर के जरिए बात कराई। रीजनल मैनेजर द्वारा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर उचित कार्रवाई तथा हर संभव सहयोग का आश्वासन दिए जाने के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया और शव को बैंक गेट से हटाया। इसके बाद शव को पैतृक गांव ले जाकर कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया।इस घटना के बाद से वृद्ध, बीमार और असहाय खाताधारकों को केवाईसी के नाम पर महीनों परेशान करने को लेकर स्थानीय बैंकिंग व्यवस्था की संवेदनशीलता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

युवाओं को भ्रमित करना बंद करे भाजपा : कांग्रेस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : कांग्रेस प्रवक्ता ऋषिकेश सिंह ने जेपीएससी के मुद्दे पर भाजपा को घेरा है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा है कि भाजपा जेपीएससी की 14वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम को लेकर निराधार व भ्रामक आरोप लगा रही है। भाजपा को युवाओं के भविष्य की चिंता नहीं है।संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को कटघरे में खड़ा कर राजनीतिक लाभ लेने की आदत पड़ चुकी है। बिना किसी ठोस साक्ष्य के जेपीएससी जैसी संवैधानिक संस्था पर आरोप लगाकर लाखों अभ्यर्थियों के बीच भ्रम फैलाया जा रहा है।श्री सिंह ने कहा कि भाजपा के पास कोई प्रमाण है, तो न्यायिक संस्था के बीच पहुंचे।केवल मीडिया के माध्यम से सनसनी फैलाना युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि महागठबंधन सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। सरकार बनने के बाद वर्षों से लंबित भर्ती प्रक्रियाओं को गति मिली है।जेपीएससी और जेएसएससी के माध्यम से नियमित परीक्षा आयोजित हो रही हैं।शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, प्रशासन, शिक्षक व सहायक आचार्य, महिला व बाल विकास, कृषि, तकनीकी, ऊर्जा, राजस्व, उत्पाद, पेयजल एवं स्वच्छता सहित विभिन्न विभागों में नियुक्तियां पूरी की गयी हैं।आज झारखंड का युवा आंदोलन नहीं, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटा है।यह सरकार की पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया में युवाओं के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि देश में सबसे अधिक पेपर लीक और भर्ती घोटाला भाजपा शासित राज्यों में सामने आयी है।

प्रसूता की मौत पर फूटा लोगों का गुस्सा, सीएचसी में घंटों हंगामा,सिविल सर्जन व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को बनाया बंधक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : डंडई प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में प्रसव के बाद एक प्रसूता की मौत से सोमवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।आक्रोशित परिजनों, ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने मृतका का शव अस्पताल के मुख्य द्वार पर रखकर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई और मुआवजा के साथ दोषी चिकित्साकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की गयी।मामले की जानकारी मिलने पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. वीरेंद्र कुमार राम अस्पताल पहुंचे और जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया, लेकिन परिजन उनकी बात से संतुष्ट नहीं हुए।इसके बाद ग्रामीणों ने गढ़वा के सिविल सर्जन डॉ. जान एफ. कनेडी को मौके पर बुलाने की मांग की। सिविल सर्जन के पहुंचने पर उन्होंने परिजनों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ वार्ता कर अस्पताल की व्यवस्था सुधारने तथा लापरवाही बरतने वाले चिकित्सक, नर्स एवं संबंधित कर्मियों पर विभागीय और कानूनी कार्रवाई का भरोसा दिया।बावजूद इसके लोग नहीं माने और सिविल सर्जन तथा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को कई घंटे तक अस्पताल परिसर में बंधक बनाए रखा।मृतका कमला कुमारी (पति-सोनू कुमार कुशवाहा) के परिजनों ने बताया कि 4 जुलाई की शाम करीब 8:30 बजे प्रसव के लिए उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया था। भोर करीब 3:30 बजे छोटे ऑपरेशन के माध्यम से प्रसव कराया गया, जिसमें महिला ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया।परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान गंभीर लापरवाही हुई, जिससे महिला का लगातार रक्तस्त्राव होने लगा। आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात नर्स ने चिकित्सक या वरिष्ठ नर्स को बुलाने के बजाय सफाईकर्मी को बुलाया। करीब साढ़े तीन घंटे तक रक्तस्त्राव जारी रहने के बावजूद महिला को समय पर रेफर नहीं किया गया।परिजन लगातार बेहतर इलाज के लिए रेफर करने की मांग करते रहे, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गयी।बाद में एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने के कारण निजी वाहन से महिला को गढ़वा के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गयी।सोमवार सुबह से शाम करीब चार बजे तक अस्पताल परिसर में धरना-प्रदर्शन चलता रहा।इस दौरान सिविल सर्जन एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अस्पताल परिसर में ही घीरे रहे। बाद में प्रखंड विकास पदाधिकारी देवलाल करमाली के पहुंचने पर सिविल सर्जन ने पीड़ित परिवार के एक सदस्य को चपरासी की नौकरी दिलाने, नवजात बच्ची की निःशुल्क शिक्षा, आवास एवं अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का आश्वासन दिया।इसके बाद धरना समाप्त हुआ और दोनों अधिकारियों को मुक्त किया गया।सिविल सर्जन ने कहा कि प्रसूता की मौत की घटना दुखद है। पूरे मामले की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अस्पताल के कुछ कर्मियों द्वारा मरीजों को सदर अस्पताल के बजाय निजी अस्पताल भेजने की शिकायत मिली है।यदि जांच में आरोप सही पाए गए तो संबंधित चिकित्सक, नर्स एवं कर्मियों पर सख्त कार्रवाई होगी। अस्पताल की एंबुलेंस व्यवस्था सुदृढ़ करने और 24 घंटे चिकित्सकीय सेवा सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया है।

35 थाना ने जून में 1272 पासपोर्ट व 233 चरित्र का किया सत्यापन : एसपी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : बोकारो पुलिस आपकी सेवा में 24 घंटे हाजिर है।झारखंड राज्य सेवा का गारंटी अधिनियम 2011 के तहत पासपोर्ट सत्यापन व चरित्र सत्यापन की समय सीमा 15 दिन के अंदर किया जा रहा है।जून माह में 35 थाना के इंस्पेक्टर व प्रभारी ने 1272 पासपोर्ट का सत्यापन किया है। सबसे अधिक चास थाना ने 154, चतरोचट्टी थाना ने 101 व बालीडीह थाना ने 97 पासपोर्ट का सत्यापन किया है।यह जानकारी सोमवार को एसपी नाथू सिंह मीणा ने पत्रकारों को कैंप दो स्थित एसपी कार्यालय में दी।एसपी श्री मीणा ने कहा की जून में जिले के विभिन्न थानों में 233 चरित्र सत्यापन समय पर कराया गया।इसमें 77 चरित्र सत्यापन नौकरी से जुडा है।साथ ही 177 चरित्र सत्यापन आवेदक से जुडा है। सभी थाना को 15 दिनों के अंदर आवेदन निष्पादित करने का सख्त निर्देश दिया गया है।ताकि कोई भी आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहे। किसी आवेदन को कोई परेशानी नहीं हो।किसी तरह की दिक्कत होने पर आवेदन एसपी कार्यालय से संपर्क कर जानकारी दे।समस्या का समाधान त्वरित होगा।श्री मीणा ने बताया कि बीएस सिटी थाना में 82, बालीडीह थाना में 97, हरला थाना में 70, माराफारी थाना में 52, सेक्टर 12 थाना में 62, सेक्टर चार थाना में 50, सेक्टर छह थाना में 27, चास थाना में 154, चास मुफस्सिल थाना में 19, चीरा चास थाना में 84, पिंड्राजोरा थाना में 18, सियालजोरी थाना में पांच, अमलाबाद ओपी में तीन, बनगडिया ओपी में दो, बरमसिया ओपी में 19, बेरमो थाना में 37, भोजडीह ओपी में चार, बीटीपीएस थाना में 51, चंदनकियारी थाना में आठ, चंद्रपुरा थाना में 33, चतरोचट्टी थाना में 101, दुगदा थाना में 13, आइइएल थाना में 16, गांधीनगर ओपी में 39, गोमिया थाना में 31, जगेश्वर विहार थाना में दो, जरीडीह थाना में 28, कसमार थाना में 20, कथारा ओपी में पांच, ललपनिया ओपी में तीन, महुआटांड थाना में पांच, नावाडीह थाना में 38, पेंकनारायणपुर थाना में 57, पेटरवार थाना में 36, तेनुघाट ओपी में एक पासपोर्ट का मामला निष्पादित किया है।

एसपी ने क्राइम मीटिंग कर पुलिस अधिकारियों को दिया टास्क,अपराधियों और ड्रग्स तस्करों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : जिले में अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के हॉल में पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी की अध्यक्षता में क्राइम मीटिंग हुई। क्राइम मीटिंग में जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक और थाना प्रभारी शामिल हुए।क्राइम मीटिंग में एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने तथा अपराधियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संगठित अपराध से जुड़े तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए और उनकी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए साथ ही अपराध और अपराधी पर शिकंजा कसा जाए।एसपी ने जिले में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार पर चिंता जताते हुए सभी थाना प्रभारियों को ड्रग्स नेटवर्क के खिलाफ सख्त एवं त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा,जहाँ भी इस तरह की गतिविधि की सूचना है तुरन्त कार्रवाई करें।एसपी ने जिला के वेसे सक्रिय अपराधियों की नियमित निगरानी रखने का निर्देश दिया साथ ही थाना वार अपराधों की जानकरी लेते हुए लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन तथा न्यायालय से संबंधित मामलों में ससमय चार्जशीट दाखिल करने का निर्देश दिया ताकि दोषियों पर कड़ी से कड़ी सजा मिल सके। एसपी ने पुलिस अधिकारियों को लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन के साथ गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।बैठक में डीएसपी अनुभव भारद्वाज, डीएसपी (मुख्यालय) दुसरु बानसिंह समेत जिले के सभी पुलिस निरीक्षक एवं थाना प्रभारी उपस्थित थे।

पीवीटीजी गांवों में पहुंचे उपायुक्त, घर-घर जाकर परखी मतदाता सत्यापन अभियान की प्रगति

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : उपायुक्त नीतिश कुमार सिंह ने सोमवार को ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत चांडिल प्रखंड के पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) बहुल सुदूरवर्ती गांवों का दौरा कर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत संचालित मतदाता सत्यापन एवं एन्यूमरेशन प्रपत्र वितरण कार्य का निरीक्षण किया।उन्होंने ग्राम पंचायत धुनाबुरु के कोड़ाबुरु, तुलग्राम एवं पालगाम गांव पहुंचकर घर-घर चल रहे अभियान का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने ग्रामीणों एवं मतदाताओं से सीधे संवाद कर एन्यूमरेशन प्रपत्र वितरण, प्रपत्र भरने की प्रक्रिया तथा मतदाता सत्यापन कार्य की प्रगति की जानकारी ली।उन्होंने मतदाताओं से अपने विवरण का समय पर सत्यापन कराने तथा आवश्यकतानुसार एन्यूमरेशन प्रपत्र भरकर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग देने की अपील की।उपायुक्त ने क्षेत्र के दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) मतदाताओं के घर पहुंचकर उनका हालचाल जाना और मतदाता सत्यापन की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को निर्देश दिया कि दिव्यांग, वृद्ध एवं अन्य विशेष श्रेणी के पात्र मतदाताओं तक प्राथमिकता के आधार पर पहुंचकर उन्हें आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया से वंचित न रहे।उन्होंने जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी पारुल सिंह, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अनुमंडल पदाधिकारी चांडिल नितिन कुमार, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी तलेस्वर रविदास, बीएलओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप शत-प्रतिशत पात्र मतदाताओं तक पहुंच सुनिश्चित करने, एन्यूमरेशन प्रपत्रों का समयबद्ध वितरण, योग्य मतदाताओं का सत्यापन तथा पुनरीक्षण कार्य को पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि प्राप्त सभी प्रपत्रों एवं आवेदनों का नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने उपायुक्त को मोबाइल नेटवर्क की समस्या सहित अन्य स्थानीय समस्याओं से अवगत कराया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया तथा ग्रामीणों को जल्द समाधान का भरोसा दिलाया।

437 बकरी पालक उद्यमी तैयार करेगा पशुपालन विभाग,सरकार से मिलेगा 70 फीसदी अनुदान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : पशुपालन विभाग 437 बकरी पालक उद्यमी तैयार करेगा।पहली बार पशुपालन विभाग ने झारखंड के लोगों को उद्यमी के रूप में तैयार करने के लिए यह स्कीम लाया है। इसमें इच्छुक लोगों को 100 बकरी पालन का स्कीम मिलेगा।इसमें इच्छुक लोगों को इस स्कीम में 70 फीसदी अनुदान मिलेगा। इस स्कीम के मॉनिटरिंग के लिए राज्य से लेकर जिला स्तर तक कमेटी बनायी गयी है।इस पर कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग 30 करोड़ रुपये खर्च करेगी।ब्लैक बंगाल बकरी मिलेगा।इस योजना के लाभुकों को ब्लैक बंगाल नस्ल की 100 बकरी दी जायेगी।इसके साथ पांच बकरी भी मिलेगा। इसका एक यूनिट 9.78 लाख रुपये का है।इसमें लाभुक को 6.84 लाख रुपये अनुदान के रूप में मिलेगा।इसमें बांस से बने शेड के लिए भी राशि दी जायेगी। इसके अतिरिक्त आठ फीसदी राशि बीमा के लिए भी दिया जायेगा।एक साल के फीड के लिए भी पैसा मिलेगा। 21 हजार रुपये दवा का भी मिलेगा।

इस स्कीम के लिए लाभुक को कम से कम 50 डिसमिल जमीन चाहिए।अपनी जमीन नहीं होने पर 10 वर्षों का भूमि लीज होना चाहिए। उद्यमी को एक साल का बैंक बैलेंस समर्पित करना होगा।उद्यमी को कम से कम 10 साल स्कीम चलाने का शपथ पत्र देना होगा। योजना संचालन नहीं पर अनुदान की राशि ब्याज सहित वापस ले ली जायेगी।बकरा-बकरी पालन में प्रशिक्षण प्राप्त आवेदकों को प्राथमिकता दी जायेगी।इस स्कीम के तहत लाभुकों का चयन पशुपालन निदेशक की अध्यक्षता वाली कमेटी करेगी।इसमें संयुक्त निदेशक कुकुट, क्षेत्रीय निदेशक द छोटानागपुर, राज्य योजना पदाधिकारी, नाबार्ड तथा जेएसएलपीएस के प्रतिनिधि सदस्य होंगे। उद्यमी को प्रस्ताव जिला पशुपालन पदाधिकारी के यहां जमा करना होगा।जिला पशुपालन पदाधिकारी योजना प्रस्ताव स्थल का निरीक्षण व अन्य आवश्यक बिंदुओं का आकलन कर अनुशंसा के साथ प्रस्ताव निदेशक को भेजेंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए आयोजित हुई जागरूकता व्याख्यान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : कोल्हान विश्वविद्यालय के तत्वावधान में सोमवार को परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से मादक पदार्थों का दुरुपयोग और नशीले पदार्थों का अनैतिक उपयोग विषय पर एक दिवसीय विशेष जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी और छात्रों के बीच बढ़ रही नशे की लत के प्रति जागरूकता फैलाना तथा उन्हें इसके घातक सामाजिक एवं मानसिक परिणामों से अवगत कराना था।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में कोल्हान विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर व क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. धर्मेंद्र रजक उपस्थित थे। छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. रजक ने नशीली दवाओं के सेवन के मनोवैज्ञानिक एवं शारीरिक प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि आज का युवा अनजाने में अथवा मानसिक तनाव के कारण मादक पदार्थों के जाल में फंस जाता है, जिससे न केवल उसका स्वास्थ्य बल्कि उसका भविष्य भी प्रभावित होता है।उन्होंने विद्यार्थियों से आत्म-नियंत्रण बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार के नशे से पूरी तरह दूर रहने का आह्वान किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. (डॉ.) अंजिला गुप्ता ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि नशा मुक्त समाज का निर्माण युवाओं की जागरूकता, सकारात्मक सोच और सामूहिक सहभागिता से ही संभव है।ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों को सही दिशा प्रदान करने के साथ-साथ स्वस्थ एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

बिजली तार के चपेट से बच्चे की जान बचाने के क्रम में गई एक की जान,तीन महिला सहित चार घायल

हजारीबाग : ब्रह्मोरिया गांव में सोमवार को विधुत तार के चपेट में आया बच्चा को बचाने के क्रम नरेश भुइयां 40 वर्ष की जान चली गयी।जबकी तीन महिला सहित एक पुरुष झुलस कर घायल हो गया।गांव में मची अफरा तफरी के बाद सभी को इलाज के लिए सामुदायिक अस्पताल चौपारण में भर्ती कराया गया।जहां जांच के बाद डॉ डीएन ठाकुर ने नरेश को मृत घोषित कर दिया।बाकी लोगों का इलाज चल रहा है।

कांग्रेस ने शिकायत निवारण सेल का किया गठन

रांची : प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने प्रभारी के राजू के निर्देश पर शिकायत निवारण सेल का गठन किया है।इस सेल में नरेंद्र लाल गोपी, जितेंद्र त्रिवेदी, राजेश चंद्र राजू और इस्तियाक अहमद टुनू को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है।प्रदेश के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया किशिकायत निवारण सेल राज्य के सभी जिलों व प्रखंडों से प्राप्त शिकायतों का संकलन करेगा। उन्हें संबंधित प्रदेश पदाधिकारियों तक भेजकर उनके त्वरित निवारण और आवश्यक समन्वय की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।साथ ही समय-समय पर शिकायतों की मॉनिटरिंग व फॉलो-अप की जिम्मेवारी भी होगी।प्रदेश अध्यक्ष श्री कमलेश ने निर्देश दिया है कि सेल के सदस्य संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा, जवाबदेही व अनुशासन के साथ अपने दायित्वों को निभायें।

राष्ट्र प्रथम थी डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी की सोच : आदित्य साहू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की सोच थी राष्ट्र प्रथम। यह संकल्प हम सबको लेने की जरूरत है कि राष्ट्र पहले है तभी बदलाव होगा।हम सभी को डॉ. मुखर्जी के पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। उक्त बातें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने सोमवार को यहां कही। डोमचांच के बैजनाथ प्रसाद स्नेही बीएड कॉलेज में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वीं जयंती के स्मरणोत्सव पर आयोजित भाजपा के कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष ने नेताओं व कार्यकताओं से सीधा संवाद करते हुए कई बातें रखीं।श्री साहू ने कहा कि डॉ मुखर्जी ने राष्ट्र प्रथम के तहत देश के लिए बलिदान दिया। एक साजिश के तहत कश्मीर में उनकी हत्या हुई और उन्हीं के स्मरण पर आज 125वां स्मरण दिवस मनाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने मंत्री पद की परवाह न करते हुए नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया और भारत देश के कश्मीर में दो संविधान, दो निशान व दो प्रधान का खुलकर विरोध किया। 1951 में जनसंघ की स्थापना की। वहीं विधायक डॉ. नीरा यादव ने कहा कि आज देश प्रगति की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एक राष्ट्र एक विधान के सपने को पूरा करने के लिए हम संकल्पित हैं।नगर पंचायत अध्यक्ष उमेश कुमार वर्मा ने कहा कि महापुरुषों का जीवन हमें यही सिखाता है कि देश सर्वोपरि है।डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष सुजीत मेहता ने की। कार्यक्रम में प्रमुख डॉ सत्य नारायण यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष अनूप जोशी, जिला उपाध्यक्ष संगीता सिन्हा, भाजपा ओबीसी मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष महेन्द्र प्रसाद वर्मा, सांसद प्रतिनिधि वीरेन्द्र प्रसाद मेहता, अशोक मेहता, भरतनारायण मेहता, भाजपा जिला प्रभारी प्रवीण मेहता, वरिष्ठ नेता रमेश सिंह, गोपाल कुमार गुतुल,अखिल सिन्हा, सुनील सिन्हा, कारू सिंह, हिमांशु कुमार, प्रेमांशु कुमार, प्रिंस सिंह, राजेश सिंह आदि मौजूद थे।

इधर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू ने कॉलेज परिसर में एक पेड मां के नाम अभियान के तहत फलदार व औषधीय पौधों का वितरण कार्यक्रम में भी शिरकत की।इस दौरान श्री साहू ने कहा कि हम सभी को पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी को समझना होगा।फलदार और औषधीय पौधे लगाकर हम न सिर्फ पर्यावरण को हरा-भरा बना सकते हैं, बल्कि अपने स्वास्थ्य को भी बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से पौधारोपण अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। विधायक डॉ नीरा यादव ने भी पर्यावरण की रक्षा में योगदान देने की बात कही।अभियंता प्रेमांशु कुमार ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 11000 पौधा लगाने का लक्ष्य है।कार्यक्रम के दौरान सभी ने पौधारोपण भी किया। मौके पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुजीत मेहता, मुकेश पांडेय, अमरजीत कुमार, सुधांशु शेखर विक्की मेहता,आदि मौजूद थे।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

7 लाख 56 हजार 950 ईएफ का वितरण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के लिए धनबाद जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं को ईएफ वितरण का कार्य जारी है। अब तक 7 लाख 56 हजार 950 मतदाताओं को ईएफ वितरित किया जा चुका है। ईएफ वितरण की विधानसभा वार जानकारी देते हुए डीसी आदित्य रंजन ने बताया कि ईएफ वितरण में टुंडी सबसे आगे है। जहाँ 1,56,415 ईएफ बांटे जा चुके हैं। वहीं दूसरे स्थान पर निरसा है। निरसा में 1,46,064 ईएफ का वितरण किया गया है। जबकि सिंदरी में 1,43,963 ईएफ का वितरण पूरा हो चुका है। वहीं धनबाद विधानसभा में 1,17,093, बाघमारा में 1,00,340 तथा झरिया में 93,075 ईएफ का वितरण किया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि ईएफ वितरण के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी तथा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी अपने-अपने विधानसभा में मतदान केंद्रों का भ्रमण कर रहे हैं, ताकि इस प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके।

एसएनएमएमसीएच के बाहर खाद्य पदार्थों की जांच, फूड सेफ्टी टीम ने दुकानदारों को दी 7 दिन की मोहलत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर के बाहर बिक रहे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने के लिए सोमवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने विशेष अभियान चलाया। इस दौरान अस्पताल के बाहर लगी कई खाद्य दुकानों और ठेलों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान साफ-सफाई, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए।खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी राजा कुमार ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कुछ दुकानों में खाद्य सुरक्षा मानकों में कमी पाई गई। ऐसे दुकानदारों को सात दिनों का समय दिया गया है, ताकि वे अपनी कमियों को दूर कर स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री की बिक्री सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि के भीतर यदि दुकानदार अपनी व्यवस्था में सुधार नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आवश्यक होने पर जुमार्ना लगाने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है।खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने बताया कि अस्पताल परिसर में संचालित कैंटीन का भी निरीक्षण किया गया और वहां उपलब्ध खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच की गई। उन्होंने कहा कि जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज और उनके परिजन पहुंचते हैं। ऐसे में उन्हें स्वच्छ, सुरक्षित और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है।उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद्य सुरक्षा विभाग का यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा, ताकि जिले में खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके और लोगों के स्वास्थ्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ न हो।

उद्यमिता पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः ज़िला उद्योग केंद्र, धनबाद में विषयगत उद्यम कैम ऑन सार्वजनिक खरीद का सत्यापन की जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 35 उद्यमी ने भाग लिया । आदित्य चौधरी ईओडीबी प्रबंधक , जिला उद्योग केंद्र ने उद्यमियों को विषयगत उद्यम कैम ऑन सार्वजनिक खरीद का सत्यापन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने जिला उद्योग केन्द्र द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार के योजना जैसे पी०एम०ई०जी०पी०/पी०एम०विश० ाकर्मा योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डीडीएम नाबार्ड शिवांगी शुभम ने नाबार्ड और खरीद से संबंधित जानकारी दी। कैलाश चंद्र गोयल सचिव, फ्लोर मिल एसोसिएशन द्वारा उद्योग की स्थापना के संबंध में स्टार्ट अप इंडिया एवं सिंगल विंडो सिस्टम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना है । कार्यक्रम में डीडीएम नाबार्ड शिवांगी शुभम, कैलाश चंद्र गोयल सचिव, कुमारी नीलू जिला उद्यमी समन्वयक एवं प्रखंड उद्यमी समन्वयक, जिला उद्योग केन्द्र, धनबाद उपस्थित थे।

तेलमोचो पंचायत में किसान गोष्ठी का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः सोमवार को पंचायत सचिवालय तेलमोचो में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को प्रधानमंत्री कुसुम योजना, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), मिट्टी जांच योजना सहित विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी दी गई तथा आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रखंड तकनीकी प्रबंधक शक्तिपद महतो ने किसानों से विभागीय योजनाओं एवं तकनीकी सलाह का लाभ उठाने की अपील की। वहीं जिला मिट्टी जांच योजना पदाधिकारी नीरज कुमार ने मिट्टी परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक उपयोग पर जोर दिया। कार्यक्रम में सहायक तकनीकी प्रबंधक सोनी कुमारी केशरी, शिबू महतो, कृषि मित्र शिवदास दुबे सहित बड़ी संख्या में किसान एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

प्रिंस खान पर पुलिस की कार्रवाई की जा रही है: आईजी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः भगोड़ अपराधी प्रिंस खान सहित अन्य संगठित अपराधियों पर कार्रवाई की जा रही है। सांसद ढुलू महतो और विधायक अरूप चटर्जी को प्रिंस खान की ओर से धमकी दिए जाने के मामले की भी जांच हो रही है। पुलिस अपना काम लगन व ईमानदारी से कर रही है। उक्त बातें पुलिस महा निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिन्हा ने धनबाद में कही। समाहरणालय में एसएसपी प्रभात रंजन की मौजूदगी में हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद पुलिस महा निरीक्षक सोमवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिले में एसएसपी या कोई एक पुलिस अधिकारी ही काम नहीं करते, पूरी टीम काम करती है। पुलिस का काम टीम वर्क से ही होता है। धनबाद में टीम वर्क से काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि एसएसपी, सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें संगठित अपराध पर लगाम लगाने व बेहतर पुलिसिंग के निर्देश दिये गये हैं। फरार अपराधी प्रिंस खान द्वारा सांसद ढुलू महतो और निरसा विधायक अरूप चटर्जी को मिली कथित धमकी के संबंध में पूछे गए सवाल पर आईजी ने कहा कि प्रिंस खान के खिलाफ पुलिस पहले भी कार्रवाई कर चुकी है और उसके विरुद्ध लगातार कानूनी कार्रवाई जारी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि को सफल नहीं होने दिया जाएगा। आईजी ने कहा कि संगठित अपराध और अपराधियों के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है तथा जिले में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर स्तर पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

लोदना क्षेत्र के लक्ष्मी कॉलोनी में बीते एक सप्ताह से बिजली आपूर्ति ठप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः : लोदना क्षेत्र के लक्ष्मी कॉलोनी में बीते एक सप्ताह से बिजली आपूर्ति ठप है।सोमवार को स्थानीय लोगो का प्रबंधन के खिलाफ गुस्सा फूट पड़ा, इससे नाराज स्थानीय लोगों ने लोदना महाप्रबंधक कार्यालय पहुंचकर विरोध जताया और तुरंत बिजली बहाल करने की मांग की।स्थानीय लोगों का नेतृत्व कर रहे सलीम आजाद ने बताया कि बरारी कोलियरी से लक्ष्मी कॉलोनी को बिजली सप्लाई की जाती है। सप्लाई का केबल रेलवे ट्रैक के नीचे से होकर गुजरता है। करीब एक सप्ताह पहले ट्रैक के नीचे केबल ब्लास्ट कर गया, जिसके बाद से कॉलोनी में अंधेरा है।इधर बिभाग का कहना है कि टीम केबल मरम्मत करने पहुंची थी, लेकिन रेलवे प्रबंधन ने कार्य को रुकवा दिया था। रेलवे से अनुमति नहीं मिलने के कारण मरम्मत का काम अधर में लटक गया है।एक सप्ताह से बिजली नहीं रहने के कारण पीने के पानी, पढ़ाई और घरेलू कामकाज सब प्रभावित हो गया है। गर्मी में बच्चों और बुजुर्गों को काफी परेशानी हो रही है। विरोध कर रहे लोगों ने महाप्रबंधक से मांग की कि बीसीसीएल और रेलवे प्रशासन समन्वय बनाकर जल्द से जल्द केबल की मरम्मत कराए, ताकि कॉलोनी में बिजली बहाल हो सके। इंजीनियर एसके माझी ने लोगो को आश्वासन देते हुए कहा कि रेलवे को एनओसी के लिए पत्र लिखकर दिया गया है।

बिहार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और जदयू चैनपुर विधायक मो. जामा खान जोड़ा पोखर एक नंबर बस्ती पहुंचे

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और जदयू के चैनपुर विधायक मो. जामा खान सोमवार को जोड़ापोखर एक नंबर बस्ती पहुंचे। अपने रिश्तेदार इकबाल खान के घर एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में अल्पसंख्यकों को एनडीए के साथ जुड़ने की अपील की।मंत्री जामा खान ने कहा कि देश के अल्पसंख्यकों को किसी से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्षी पार्टियां अल्पसंख्यक समुदाय को डराकर वोट बैंक की राजनीति करती है। इसलिए झारखंड के अल्पसंख्यक समुदाय निर्भीक होकर समाज और क्षेत्र के विकास के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ जुड़ें। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2005 से पहले की सरकारों ने अल्पसंख्यक समाज को सिर्फ ठगने का काम किया था। पहले अल्पसंख्यकों के उत्थान के लिए बजट मात्र 3 करोड़ 53 लाख रुपये हुआ करता था, जिसे वर्तमान नीतीश सरकार ने बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपये कर दिया है। उन्होंने बताया कि पूर्व की सरकार में मदरसा शिक्षकों को मात्र 1,000 रुपये मासिक वेतन मिलता था, जिसे नीतीश सरकार ने बढ़ाकर लगभग 7,000 रुपये प्रति माह कर दिया है।बिहार सरकार के कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि पहले बिहार में कब्रिस्तान की जमीनों पर धड़ल्ले से अतिक्रमण होता था। लेकिन जदयू सुप्रीमो और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के 10,000 कब्रिस्तानों की घेराबंदी करवाकर उन्हें सुरक्षित किया है। शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे कार्यों पर जामा खान ने बताया कि बिहार के हर जिले में अल्पसंख्यक समाज के बच्चों के लिए आधुनिक आवासीय विद्यालय खोलने की योजना पर सरकार गंभीर है। कई जिलों में विद्यालय बनकर तैयार भी हो चुके हैं। इन विद्यालयों में लगभग 600 बच्चों को मुफ्त भोजन, कपड़े, किताबें और अन्य जरूरी सामग्रियां दी जा रही हैं। मंत्री ने झारखंड के लोगों से अपील की कि वे एकजुट होकर एनडीए सरकार का समर्थन करें ताकि यहां भी बिहार की तर्ज पर विकास हो सके। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों को अब जागरूक होकर अपना हक लेना होगा। कार्यक्रम में बिहार के भभुआ से भाजपा विधायक भरत बिंद, रवि सिंह, जिया खान,नौशाद खान, परवेज खान, आमिर खान, याहिया खान, मुन्ना अंसारी थे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान शिक्षाविद् एवं प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर सिटी सेंटर चौक स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद विधायक राज सिन्हा तथा भाजपा धनबाद महानगर के प्रभारी संजीव विजयवर्गीय उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने भी पुष्प अर्पित कर राष्ट्रनिर्माण में डॉ. मुखर्जी के अतुलनीय योगदान को स्मरण किया। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सशक्त प्रहरी थे। उन्होंने मात्र 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बनकर शिक्षा जगत में नई मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान नहीं चलेंगे₹ का उनका उद्घोष आज भी राष्ट्र की एकता का प्रेरणास्त्रोत है। जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव देशवासियों को राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता रहेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धारा 370 हटाकर डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार करने का ऐतिहासिक कार्य किया गया, जिससे देश की एकता और अधिक सुदृढ़ हुई। भाजपा धनबाद महानगर के प्रभारी संजीव विजयवर्गीय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, शिक्षा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को डॉ. मुखर्जी के विचारों, राष्ट्र प्रथम की भावना और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। भारतीय जनता पार्टी उनके बताए मार्ग पर चलते हुए राष्ट्रहित, सुशासन और अंत्योदय के संकल्प को निरंतर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए समर्पण, त्याग और राष्ट्रभक्ति का आदर्श है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों पर चलने तथा राष्ट्र निर्माण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के उपरांत विधायक राज सिन्हा एवं भाजपा महानगर प्रभारी संजीव विजयवर्गीय ने ₹एक पेड़ माँ के नाम₹ अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बरटांड़ मंडल अध्यक्ष हुल्लास दास ने की। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजीव अग्रवाल, जिला महामंत्री मानस प्रसून, रूपेश सिन्हा, रुमकी गुप्ता, मौसम सिंह ,पुरुषोत्तम रंजन,मंडल अध्यक्ष राजाराम दत्ता, रंजय सिंह, मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा, सुप्रभात सिन्हा, शिवेंद्र सिंह, मनीष पांडेय, गीता सिंह,निर्मल प्रधान, टुन्ना सिंह, अप्पू सिंह, श्रवण झा, उमेश सिंह, राणा सिंह,अनिल खेमका, नीरज सिन्हा ,अमित सिंह ,शंभू सिंह,वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

रवि महतो स्मारक उच्च विद्यालय में मेधावी छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः रवि महतो स्मारक उच्च विद्यालय महुदा में सोमवार को मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षाफल वितरण सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का विद्यालय के संस्थापक सह पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो, प्रखंड विकास पदाधिकारी लक्ष्मण यादव सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। बीडीओ लक्ष्मण यादव ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ अध्ययन करने का आह्वान किया। पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो ने कहा कि क्षेत्र के विद्यार्थियों को अब उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि कॉलेज को डिग्री स्तर की मान्यता मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल परीक्षा में अच्छे अंक दिलाने का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक मूल्यों के विकास और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने का केंद्र भी है। अंत में मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को परीक्षाफल व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन प्रभारी प्राचार्य धनंजय महतो ने किया। कार्यक्रम में स्कूल के प्रशासक मधुसूदन महतो, बीएड कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरके यादव, डीएलएड के हेड नवीन मंडल, युगल किशोर महतो, मुखिया महेश कुमार पटवारी, उमेश महतो, राहुल कुमार महतो, शंकर किशोर महतो, हुलास रवानी सहित विद्यालय की शिक्षक शिक्षिकाएं, अभिभावक, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे।

कोलकाता में महुदा के समाजसेवी यमुना प्रसाद राय सम्मानित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कोलकाता के साउथ सिटी इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को सेंट मार्टिन्स यूनिवर्सिटी, कुराकाओ द्वारा आयोजित एक सेमिनार में महुदा के समाजसेवी यमुना प्रसाद राय को सम्मानित किया गया। धनबाद से यूनिवर्सिटी काउंसलर के रूप में शिक्षा एवं छात्र मार्गदर्शन के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि डॉ. कमेन्द्र देवीदास दाहत ने उन्हें मोमेंटो एवं उत्तरायण भेंटकर सम्मानित किया। सेमिनार में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने एमबीबीएस पाठ्यक्रम, प्रवेश प्रक्रिया, वीजा आवेदन तथा छात्र सहायता सेवाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पात्रता के आधार पर विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

गुंडा - माफिया को खदेड़ कर बाघमारा को भयमुक्त बनाया: ढुलू महतो

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः खानूडीह बसंती चौक पर भाजपा ने कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बलराम चौहान ने की और संचालन मन्नू सिंह द्वारा किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद के सांसद ढुलू महतो और विशिष्ट अतिथि के रूप में बाघमारा के विधायक शत्रुधन महतो उपस्थित थे। समारोह में पंचायत के पूर्व मुखिया गोपाल महतो, पिंकू पांडेय और संदीप पांडेय सहित सैकड़ों कार्यकताओं ने दूसरी पार्टियों को छोड़कर भाजपा का दामन थामा। सभी नए कार्यकताओं को माला पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। जनसमूह को संबोधित करते हुए सांसद ढुलू महतो ने कहा कि बाघमारा में अपने 15 वर्षों के विधायक कार्यकाल के दौरान अभूतपूर्व विकास कार्य किए हैं। गुंडा-माफियाओं को खदेड़कर यहाँ भयमुक्त माहौल बनाया है। आज धनबाद में भी कुछ गलत मानसिकता के लोग तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर विकास को रोकने और मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं उन्हें खुली चेतावनी देता हूँ कि वे संभल जाएं, क्योंकि मुझे माफियाओं को खदेड़ने का पूरा अनुभव है। सांसद ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनमें दम है, तो वे गैंगस्टर प्रिंस खान को गिरμतार करें, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके कि उसका संबंध किस-ाके साथ है। सांसद ने कहा कि धनबाद में एयरपोर्ट बनाने के लिए विरोधी लोग अड़चन डाल रहे हैं। जिस दिन राज्य सरकार जमीन आवंटन कर देगी उसी दिन से एयरपोर्ट बनाने की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। दो साल के दौरान धनबाद में जो विकास की लकीर खींचे है उससे विरोधियों के सीने में दर्द होने लगी है। वहीं, विधायक शत्रुधन महतो ने कहा कि उनके छोटे भाई सांसद ढुलू महतो ने बाघमारा में विकास की जो गंगा बहाई है, उस कारवां को रुकने नहीं दिया जाएगा। वह विधायक के रूप में नहीं बल्कि एक जनसेवक के तौर पर जनता की सेवा करते रहेंगे। मौके पर संजय पांडेय, प्रशांत बनर्जी, सुभाष राय, दिपू पांडेय, सुरेश चौहान, सुनील चौहान, सुधीर पांडेय, प्रवीण पांडेय, झरी महतो और सतीष राय सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हिंदी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ
झारखण्ड
धनबाद, मंगलवार 07 जुलाई 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ने लोहरदगा जेल का निरीक्षण किया गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लोहरदगा के सचिव मनोरंजन कुमार ने मंडल कारा, लोहरदगा का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान एलएडीसीएस चीफ नसीम अंसारी व जेल प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं उन्होंने जेल परिसर के विभिन्न वार्डों, रसोईघर, भोजन की गुणवत्ता, अस्पताल, स्वच्छता व्यवस्था, पीएलएसी तथा बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जेल प्रशासन से विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी भी प्राप्त की। वहीं डालसा सचिव ने महिला एवं पुरुष बंदियों से अलग-अलग बातचीत कर उनकी समस्याओं, एवं विधिक आवश्यकता की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बंदी को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने का अधिकार है। यदि किसी बंदी को अधिवक्ता, जमानत, अपील अथवा किसी अन्य कानूनी सहायता की आवश्यकता हो, तो जिला विधिक सेवा प्राधिकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। निरीक्षण के दौरान सचिव ने जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि बंदियों के मानवाधिकारों का पूर्ण सम्मान किया जाए तथा उन्हें समय पर भोजन, स्वास्थ्य सुविधा, स्वच्छ वातावरण और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बंदियों के कल्याण एवं न्याय तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करना जिला विधिक सेवा प्राधिकार की प्राथमिकता है।

जमशेदपुर पासपोर्ट सेवा केंद्र की बढ़ी क्षमता, अब प्रतिदिन 150 अपॉइंटमेंट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, रांची ने पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीओपीएसके), जमशेदपुर का पुनर्गठन करते हुए इसकी सुविधाओं और क्षमता में विस्तार किया है।केंद्र को पोस्ट ऑफिस परिसर में स्थानांतरित कर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है।यहां सर्विस काउंटरों की संख्या दो से बढ़ाकर तीन कर दी गई है तथा आवेदकों के लिए बेहतर प्रतीक्षा कक्ष बनाया गया है। पहले केंद्र पर प्रतिदिन 90 पासपोर्ट और 10 पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) सहित कुल 100 अपॉइंटमेंट की सुविधा थी।अब इसे बढ़ाकर 140 पासपोर्ट और 10 पीसीसी यानी कुल 150 दैनिक अपॉइंटमेंट कर दिया गया है।इससे जमशेदपुर एवं आसपास के क्षेत्रों के आवेदकों को शीघ्र अपॉइंटमेंट मिलने के साथ तेज, सुगम और बेहतर पासपोर्ट सेवाएं उपलब्ध होंगी।

साढे पांच करोड़ की लागत से बन रहे एप्रोच मार्ग में अनियमितता का आरोप, डीसी से की शिकायत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां मार्ग पर संजय नदी पर साढ़े पांच करोड़ की लागत से बन रहे एप्रोच मार्ग के निर्माण में अनियमितता और घटिया सामग्री के उपयोग का आरोप लगाते हुए भाजपा नेता रमेश हांसदा ने सोमवार को उपायुक्त नीतीश कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में पुल के एप्रोच पथ का कार्य 18 अगस्त तक पूरा करना है, लेकिन काम जल्दी पुरा करने के चक्कर में संवेदक द्वारा निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों की अनदेखी की जा रही है।ज्ञापन में कहा है कि आरसीसी और पीसीसी का कार्य केमिकल मिक्स प्लांट से होना चाहिए लेकिन अब तक जितनी भी ढलाई हुई है वह मिक्सचर मशीन से की गई है।जिससे कार्य की मजबूती सवाल खड़ा हो रहा है वहीं आरसीसी रिटर्निंग वॉल के पीछे फिल्टर मीडिया बिछाने का प्रावधान है। लेकिन वहां सीधे मिट्टी भरकर समतलीकरण कर दिया जा रहा है एवं पथ निर्माण में इस्तेमाल हो रही बालू और गिट्टी का उपयोग बैगर क्वालिटी टेस्ट के ही किया जा रहा है। निमार्ण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग से पुल की दीघार्यु होने पर सवालिया निशान लग गया हैं।भाजपा नेता रमेश हांसदा ने उपायुक्त से मांग की है कि निर्माण कार्य की तुरंत जांच कराई जाए और शेष बच्चे कार्य को गुणवत्तापूर्ण पूर्ण कराने तथा पूर्ण हो चुके कार्य की गुणवत्ता जांच करते हुए उसमें सुधार कराने की मांग की है।

बागेश्वर धाम सरकार में हुआ सनातनी योद्धाओं का जमावड़ा हिंदुत्व पर की चर्चा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

छतरपुर । कट्टर हिन्दुत्ववादी विचारों के मुद्दों पर न्यायपालिका में देश हित में लड़ने वाले के रूप में पहचाने जाने वाले श्री विष्णु शंकर जैन , और देश के जाने माने शिक्षाविद्, ज्योतिषाचार्य और आध्यात्मिक गुरु डॉ पवन सिन्हा जी आज बागेश्वर धाम सरकार पहुंचे वहां राष्ट्रहित और पूज्य सरकार के पावन संकल्पों पर चर्चा की साथ ही हिंदुत्व की अलख जगाते रहने का संकल्प लिया।

आज जब देश में सनातन विरोधी शक्तियां फिर से सर उठाने लगी हैं ऐसे में इन तीन सनातनी दिग्गजों की मुलाकात को भगवा परिषद के अजय कटियार, संतोष उपाध्याय, दिवाकर आर्य, सुनील सक्सेना मिलन और डॉ सुबोध अस्थाना ने इस मुलाकात को ऐतिहासिक बताया है।

सिकंदर चौधरी हत्याकांड में प्रशासनिक विफलता के खिलाफ प्रदर्शन, उच्चस्तरीय जांच की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिले के चैनपुर प्रखंड के रामपुर गोलीकांड में हुई सिकंदर चौधरी की हत्या मामले में कथित प्रशासनिक विफलता के खिलाफ सोमवार को समाहरणालय परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया गया। विकासशील इंसाफ पार्टी पलामू प्रमंडल के तत्वावधान में आयोजित इस आन्दोलन में मुख्य अतिथि के तौर पर वीआइपी पार्टी के सुप्रीमो सह बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी उपस्थित थे। उनके अलावा वीआइपी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. राजकुमार चौधरी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणाों ने भागीदारी सुनिश्चित की। धरना के माध्यम से रामपुर हत्याकांड में प्रशासनिक विफलता की उच्चस्तरीय जांच, शेष 14 नामजद अभियुक्तों की अविलंब गिरफ्तारी, अनुसंधान में कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच, दोषी पुलिस पदाधिकारियों पर कठोर कार्रवाई, पीड़ित परिवार करे पुर्नरवास एवं त्वरित न्याय सुनिश्चित करने की मांग की गयी। धरना के बाद मुख्यमंत्री के नाम 10 सूत्री मांग पत्र उपायुक्त को सौंपा गया।बता दें कि 23 मई 2026 को रामपुर में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई थी और इस क्रम में गोली चलने से एक पक्ष के सिकंदर चौधरी की मौत हो गयी थी। तीन लोग जख्मी हुए थे। धरना से पहले शिवाजी मैदान में लोगों का जुटान हुआ और वहां से सभी जुलूस निकाल कर समाहरणालय पहुंचे। जिला परिषद कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया गया।मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने कहा कि न्याय और अधिकार के लिए लगातार संघर्ष करना होगा। समाज के लोगों को राजनीति में भी भागीदारी सुनिश्चित करने की जरूरत है। खुद और अपने समाज के लिए जगने की जरूरत है।

इन्यूमरेशन फॉर्म वितरण व डिजिटाइजेशन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, प्रगति नहीं दिखी तो होगी कार्रवाई :उपायुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत इन्यूमरेशन (गणना) फॉर्म के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य की प्रगति की समीक्षा सोमवार को उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की। समीक्षा के दौरान उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि एस-।आईआर से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निर्धारित समयसीमा के अनुरूप अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।समीक्षा बैठक में हुसैनाबाद एवं विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी तथा सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े, जबकि पांकी एवं डालटनगंज विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित

अन्य पदाधिकारी उपायुक्त के कार्यालय कक्ष से बैठक में उपस्थित रहे।उपायुक्त ने बताया कि 30 जून से ही बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर इन्यूमरेशन (गणना) फॉर्म का वितरण किया जा रहा है। फॉर्म वितरण के बाद उसे प्राप्त कर डिजिटाइजेशन करते हुए बीएलओ ऐप पर अद्यतन करना अनिवार्य है। उन्होंने एक-एक विधानसभा क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा करते हुए अपेक्षाकृत कम फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन पर नाराजगी व्यक्त की।

उन्होंने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को प्रतिदिन तीन स्पष्ट लक्ष्य–फॉर्म वितरण, फॉर्म संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन–दिए जाएं तथा प्रतिदिन उनके विरुद्ध उपलब्धि की मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। किसी भी स्तर पर लक्ष्य और उपलब्धि में अंतर होने पर तत्काल कारणों की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।उपायुक्त ने पंचायतों में आयोजित विशेष एस-।आईआर कैंपों के संबंध में भी निर्देश दिया कि कैंप में निर्धारित दिवस का लक्ष्य पूरा किए बिना कैंप बंद नहीं किया जाए। प्रत्येक कैंप से अधिकतम फॉर्म वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने दो टूक कहा कि इन्यूमरेशन (गणना) फॉर्म के वितरण एवं डिजिटाइजेशन कार्य की धीमी प्रगति किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। जिस स्तर से भी लापरवाही सामने आएगी, संबंधित बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर अथवा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी निर्धारित समयसीमा के भीतर लक्ष्य प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

अनागत प्रश्नों का समयबद्ध, तथ्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्तर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें अधिकारीः सुरेश पासवान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लातेहार : झारखंड विधानसभा की अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष सुरेश पासवान की अध्यक्षता में लातेहार परिसदन सभागार में विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान समिति के अध्यक्ष श्री पासवान ने विधानसभा में प्राप्त अनागत प्रश्नों के निष्पादन, विभागवार कार्रवाई की अद्यतन स्थिति तथा लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की।उन्होंने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विधानसभा से प्राप्त सभी अनागत प्रश्नों का समयबद्ध, तथ्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्तर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करें।उन्होंने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही से संबंधित मामलों में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई पूर्ण करें, ताकि जनहित से जुड़े विषयों का प्रभावी एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। समिति ने विशेष प्रमंडल, स्वास्थ्य, कृषि, सड़क, जल संसाधन, विद्युत, कल्याण, पर्यटन, खनन सहित कई विभागों की योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली। इसके बाद समिति ने सभी विभाग के पदाधिकारियो को बेहतर तरीके से कार्य करने का निदेर्या दिया है।बैठक में विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित अनागत प्रश्नों की अद्यतन स्थिति से समिति को अवगत कराया तथा आवश्यक जानकारी एवं प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किए। मौके पर समिति के सदस्य सह विधायक नरेश सिंह व विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी, उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, डीएफओ प्रवेश अग्रवाल, एसडीओ दिनेश कुमार, सिविल सर्जन डा राजमोहन खलखो, कार्यपालक अभियंता प्रभाकर सिंह, पुनई उरांव, दीपक कुमार महतो, डीपीओ समीर कुल्लू, डीएमओ मो नदीम शफी, डीटीओ उमेश मंडल, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रवण राम, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी, सीओ नंदकुमार राम समेत जिला स्तरीय सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

कल्याण विभाग की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा,लंबित कार्यों में तेजी लाने का निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग की प्रमुख योजनाओं की अद्यतन प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, धुमकुड़िया भवन निर्माण, सरना/मसना/जाहेर एवं हड़गड़ी स्थल घेराबंदी, कब्रिस्तान घेराबंदी, छात्रावासों के रख-रखाव, धार्मिक स्थल निर्माण सहित विभाग की अन्य योजनाओं की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गयी।उपायुक्त श्री शेखावत ने सभी योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने, लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार्य नहीं होगी तथा सभी संबंधित पदाधिकारी निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्यों को पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।बैठक में लाभुकों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने, विभिन्न योजनाओं से संबंधित लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन तथा विभागीय समन्वय के साथ कार्य करने पर भी विशेष जोर दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के पात्र एवं जरूरतमंद लोगों तक लाभ पहुंचाना है, इसलिए सभी अधिकारी पूरी गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी तथा संबंधित विभागों के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजनीतिक दलों के बीएलए 2 प्रतिदिन जमा कर सकेंगे 50 इन्यूमरेशन फॉम:कें. रवि कुमार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति साझा करते हुए बताया कि राज्य में मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म भरने की प्रक्रिया बेहद तेजी और सुचारू रूप से चल रही है। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल अधिकारियों के साथ-साथ मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट भी अपनी जिम्मेदारी को बखूबी समझते हुए जमीनी स्तर पर अत्यंत महत्वपूर्ण और सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। दोनों के आपसी समन्वय के कारण ही राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण के शुरूआती 7 दिनों के भीतर ही बीएलओ राज्य के लगभग 39.73% कुल 1,05,13,490 मतदाताओं तक सफलतापूर्वक पहुंच चुकी है, जहां घर-घर जाकर पात्र भारतीय नागरिकों का इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया गया है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची का यह विशेष गहन पुनरीक्षण एक पूर्णतः सहभागी प्रक्रिया है, जिसे बिना सबके सहयोग के शत-प्रतिशत सफल नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि एक शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिहीन मतदाता सूची बनाने के लिए सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर सहयोग करने की अपेक्षा है। उन्होंने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे बूथ स्तर पर अपने बीएलए-2 की सक्रियता और उपस्थिति निरंतर बनाए रखें ताकि स्थानीय स्तर पर पात्र

भारतीय नागरिकों को ससमय इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया जा सक एवं इसका डिजिटाइजेशन भी किया जा सके।के रवि कुमार ने कहा कि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए 2 अपने मतदान केंद्र क्षेत्र के 5 श्रेणी 1.एब्सेंट, 2.शिफ्टेड, 3. डेथ, 4.डुप्लीकेट एवं 5. रिफ्यूज टू साइन (गैर भारतीय) सूची के मतदाता को छोड़कर प्रतिदिन 50 मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म अपने बीएलओ को जमा कर सकते हैं। बशर्ते उन्हें इनके सत्यापन हेतु प्रमाण पत्र भी अपने स्तर से जारी करने होंगे। बीएलए 2 द्वारा दिए गए प्रमाण पत्र में उनके द्वारा निम्न घोषणा एवं सत्यापन अनिवार्य है:मैं एतद्द्वारा घोषित करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा दी गई सूचना मुझे सौंपे गए निर्वाचक नामावली (वोटर लिस्ट) के भाग के उचित सत्यापन पर आधारित है और मैं झूठी घोषणा करने के लिए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के दंडात्मक प्रावधानों से अवगत हूँ। दिनांक, (बी.एल.ए. के पूर्ण हस्ताक्षर),पूरा नाम, दल (पार्टी) का नाम।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में बीएलए 2 एवं बीएलओ द्वारा संग्रहित किये गए इन्यूमरेशन फॉर्म को बीएलओ/ बीएलओ सुपरवाईजर द्वारा नियमानुसार वेरिफाई करते हुए इसके डिजिटाइजेशन का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीएलए 2 एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ, डुप्लीकेट एवं रिफ्यूज टू साईन (गैर भारतीय) श्रेणी के मतदाताओं की सूची तैयार करेंगें एवं बीएलए 2 के साथ होने वाले बैठक में बीएलओ द्वारा बनाए गए सूची से मिलान भी कराएंगे। उन्होंने कहा कि बीएलए 2 द्वारा वेरिफिकेशन के उपरांत ही एएसडीडी सूची का प्रकाशन किया जाएगा। 5 अगस्त को होने वाले मतदाता सूची के ड्राफ्ट पब्लिकेशन के समय इस सूची को भी प्रकाशित किया जाएगा।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विगत के विशेष गहन वाले मतदाता सूची से मैपिंग को सुपीरियर डॉक्यूमेंट के रूप में माना गया है जिन मतदाताओं की मैपिंग हो गई है उन्हें सामान्यतः किसी अन्य प्रकार के दस्तावेज समर्पित नहीं करने होंगे। उन्होंने कहा बीएलओ जब घर घर जाएं तो मतदाताओं से उनका यथासंभव मैपिंग अवश्य कराएं।

राजनगर सीएचसी में सिजेरियन सेवा ठप होना गंभीर, जल्द सर्जन की प्रतिनियुक्ति हो:चंपाई सोरेन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक चंपाई सोरेन सोमवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के राजनगर दौरे पर थे।इस दौरान चंपाई सोरेन ने पत्रकारों से बातचीत के क्रम में राज्य में गिरती कानून व्यवस्था एवं लचर स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाए।उन्होंने स्थानीय और राज्य की ज्वलंत मुद्दों पर बात करते हुए सरकार को घेरा।स्थानीय लोगों ने चंपाई को बताया कि राजनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पिछले दो माह से विशेषज्ञ डॉक्टर की कमी के कारण गर्भवतियों का सिजेरियन ऑपरेशन बंद कर दिया गया है। पहले प्रतिनियुक्त डॉक्टर (सर्जन) को जच्चा बच्चा कांड मामले में निलंबित किए जाने के बाद कोई दूसरे सर्जन की प्रतिनियुक्ति विभाग ने अभी तक नहीं की है, जिससे यहां की गरीब गर्भवतियों को काफी परेशानी हो रही है। वे बाहर जाकर महंगे इलाज कराने को मजबूर हैं।इस पर चंपाई ने कहा कि सीएचसी में सिजेरियन सहित अन्य ऑपरेशन सेवाएं ठप हो जाना अत्यंत गंभीर मामला है।स्वास्थ्य विभाग शीघ्र विशेषज्ञ सर्जन की प्रतिनियुक्ति करे,ताकि गरीब गर्भवती महिलाओं को निजी अस्पतालों में महंगा इलाज कराना न पड़े।उन्होंने कहा कि राजनगर आदिवासी एवं ग्रामीण बहुल क्षेत्र है, जहां अधिकांश लोग सरकारी स्वास्थ्य

सेवाओं पर निर्भर हैं। ऐसे में लचर स्वास्थ्य व्यवस्था का खामियाजा सबसे अधिक गरीब तबके के लोगों पर पड़ता है।चंपाई सोरेन ने यह भी कहा कि उनके कार्यकाल में सरायकेला में 100 बेड के क्रिटकल केयर अस्पताल का निर्माण कराया गया था, लेकिन सरकार अब तक उसे चालू नहीं करा सकी है।इससे जिले के गंभीर मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही है।चंपाई सोरेन ने आरोप लगाया कि सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। हर विभाग नाकाम हो रहे हैं। दो-दो साल से योजनाएं स्वीकृत हुईं हैं, पर काम नहीं हो रहा है। वित्त विभाग चरमरा गई है।खुद वित्त मंत्री सुरक्षा गार्ड वापस कर रहे हैं और बिना सुरक्षा गार्ड के घूम रहे हैं। चंपाई ने आगे कहा कि झारखंड में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।उन्होंने जमशेदपुर के बिष्टुपुर में पुलिस की मौजूदगी में हुई हिमांशु हत्याकांड की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि पुलिस के सामने ही अपराधी हत्या कर फरार हो जाएं, तो आम लोगों का पुलिस और कानून व्यवस्था से भरोसा उठना स्वाभाविक है।सरकार को राजनितिक बयानबाजी छोड़ कर कानून व्यवस्था और खास कर स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने पर ध्यान देना चाहिए।

रथ को संरक्षित करने के लिए बनेगा रथ आसन भवनःचंपाई सोरेन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला की ऐतिहासिक रथयात्रा इस वर्ष भी भव्य रूप से आयोजित होगी।रथ यात्रा को लेकर जहां रथ का निमार्ण कारीगरों द्वारा जोर शोर से किया जा रहा है वहीं सोमवार शाम पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक चंपाई सोरेन रथ निर्माण स्थल पहुंचे और भगवान जगन्नाथ के रथ निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।उन्होंने कारीगरों से मुलाकात कर निर्माण की प्रगति जानी तथा श्री जगन्नाथ सेवा समिति के पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर तैयारियों की जानकारी हासिल किया।निरीक्षण के दौरान पुर्व सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि सरायकेला की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का प्रतीक है।उन्होंने कारीगरों से परंपरा और गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए रथ निर्माण कार्य को समय पर पूरा करने का आग्रह किया।निरीक्षण के दौरान पुर्व सीएम ने समिति के आग्रह पर घोषणा करते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष रथ को खोल कर फिर से लगाने की आवश्यकता नही पडेगी इसके लिए सरायकेला में रथ आसन भवन का निमार्ण किया जाएगा जहां रथ यात्रा के पश्चात रथ को वहां सुरक्षित रखा जा सकेगा।उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था इस ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण के साथ-साथ रथ निर्माण प्रक्रिया को भी सुगम बनाएगी।श्री जगन्नाथ सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित रथ महोत्सव के अंतर्गत 14 जुलाई को नेत्रोत्सव एवं 16 जुलाई को भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी।

डीसी ने नियोजन,कौशल विकास,सामाजिक सुरक्षा,श्रम विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने सोमवार को नियोजन,कौशल विकास,सामाजिक सुरक्षा,श्रम विभाग(बाल श्रम उन्मूलन एवं पुनर्वास हेतु गठित जिला स्तरीय टास्कफोर्स की बैठक की।समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में सर्वप्रथम डीसी ने जून माह में बाल श्रम से विमुक्त हुए बच्चे एवं उन बच्चों के वर्तमान स्टेटस की जानकारी ली।बताया कि जून में 6 बच्चों एवं वर्तमान वित्तिय वर्ष में 20 बच्चों को विमुक्त कराया गया है।उपायुक्त ने श्रम अधीक्षक को डीईओ संग समन्वय स्थापित कर उन सभी बच्चों का एडमिशन सुनिश्चित कराने व विमुक्त कराये गये बाल श्रमिकों की जानकारी सीडब्लूसी सदस्यों संग साझा करने की बात कही।रेस्क्यू किये गये बच्चों का दाखिल स्कूल में रहे,यह सुनिश्चित करना होगा।उन्होंने विमुक्त बाल श्रमिक की ट्रैकिंग तथा पुर्नवासन के लिये मानक कार्य पद्धति के अनुसार कार्य किये जाने का निदेश दिया।नियोजन विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वर्ष में 12 भर्ती कैम्प आयोजित किया जाता है एवं 3 रोजगार मेला लगाया जाता है।इसी तरह सामाजिक सुरक्षा कोषांग द्वारा संचालित योजनाओं की भी समीक्षा की गयी जिसमें विभिन्न पेंशन योजनाओं,राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना,स्पॉन्सरशिप योजना अंतर्गत दिये लाभ लेने वाले बच्चों की संख्या,मिशन वात्सल योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली।बैठक में पीएम केयर फंड से पढ़ाई कर रहे तीन बच्चों संग भी डीसी ने मुलाकात की।बैठक में सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक पीयूष,नियोजन सह कौशल पदाधिकारी नीरज कुमार,जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी समेत सीडब्लूसी के सदस्यगण उपस्थित रहे।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में 197 विद्यार्थियों की मलेरिया जांच, सभी की रिपोर्ट निगेटिव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला खरसावां जिला में मलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत सोमवार को राजनगर प्रखंड स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, सिजुलता में स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष जांच अभियान चलाया गया।अभियान के तहत खून मास सर्वे के अंतर्गत विद्यालय के 197 छात्र-छात्राओं के रक्त नमूनों की रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट (आरडीटी) के माध्यम से जांच की गई।राहत की बात यह रही कि जांच के दौरान एक भी छात्र-छात्रा मलेरिया से संक्रमित नहीं पाया गया।स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विद्यार्थियों का रक्त परीक्षण करने के साथ-साथ उन्हें मलेरिया से बचाव के उपायों की भी जानकारी दी।टीम ने बताया कि बरसात के मौसम में मच्छरों के प्रजनन की संभावना बढ़ जाती है, जिससे मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ता है।ऐसे में समय-समय पर जांच अभियान चलाकर संभावित मरीजों की पहचान करना और समय पर उपचार सुनिश्चित करना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है।

संक्षिप्त खबरें

गया जंक्शन पर 5.25 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर आरपीएफ द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन सतर्क अभियान के तहत सोमवार को गया जंक्शन पर एक युवक को 5.25 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। प्लेटफॉर्म संख्या एक स्थित मिडिल एफओबी के नीचे गश्त के दौरान की गई। आरपीएफ, अपराध आसूचना शाखा, सीपीडीएस टीम और जीआरपी की संयुक्त टीम ने संदिग्ध युवक को पकड़कर उसके बैग की तलाशी ली, जिसमें विदेशी शराब बरामद हुई।

धनबाद से लाकर बिहार में बेचने की बात की स्वीकार

पूछताछ में गिरफ्तार युवक ने अपना नाम रंजीत कुमार निवासी ग्राम फौलादपुर, थाना शकूराबाद, जिला जहानाबाद बताया। उसने स्वीकार किया कि वह धनबाद (झारखंड) से शराब लाकर बिहार में अधिक कीमत पर बेचने का काम करता है। बरामद शराब की कुल मात्रा 5.25 लीटर तथा अनुमानित कीमत 7,000 रुपये बताई गई है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को गया जीआरपी थाना के हवाले कर दिया गया। सर्च अभियान में इंस्पेक्टर बनारसी यादव के नेतृत्व में जवान संतोष कुमार सिंह, मुकेश कुमार, राकेश कुमार सिंह,दीपक ओझा आदि शामिल थे।

जीआरपी गया ने जीटी रोड से बरामद की लापता युवती को

गया जी (एजेंसी) : गया जंक्शन रेल थाना में दर्ज मामले में जीआरपी गया को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। जीआरपी थानाध्यक्ष शिवकुमार के नेतृत्व में सोमवार की शाम चलाए गए विशेष अभियान के दौरान लापता युवती मुन्नी कुमारी पिता सिकंदर प्रसाद निवासी परनावा थाना कोंच जिला गया को गया स्थित जीटी रोड क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस के अनुसार युवती की तलाश लगातार की जा रही थी। बरामदगी के बाद उसे आवश्यक कानूनी प्रक्रिया की

गई। उसे परिजनों को सौंपने की कार्रवाई की जाएगी। जीआरपी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और युवती के लापता होने से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से पड़ताल की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की है।

गया हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के एसी बोगी के दंपति के साथ नवादा के काशीचक स्टेशन पर मारपीट

सीट पर जबरन बैठने को लेकर पाकुड़ के दरोगा दंपति व उनके बच्ची के साथ मारपीट का दिया अंजाम

गया जी(एजेंसी) : नवादा रेलवे स्टेशन से ट्रेन में कुछ युवकों ने काशीचक स्टेशन पर अपने आठ-दस सहयोगियों को बुलाकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया।घटना के बाद काशीचक स्टेशन पर एक घंटे तक दंपति ने इंजन के आगे आकर ट्रेन को रोक कार्रवाई की मांग की।

आरोपी को पकड़ने के लिए इंजन के आगे यात्री महिला पूजा और पति हरि ओम को आरपीएफ की टीम ने को समझा बुझाकर ट्रेन में बिठाया और ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया।महिला यात्री ने कहा कि 139 पर मदद मांगी पर वहां से कोई रिस्पांस नही मिला। टीटीई से भी मदद मांगी वह भी सीट पर बवाल काटने वाले युवक से बात करते हुए हंसते हुए निकल गया।आरपीएफ ने दर्ज की महिला यात्री की शिकायत।गया से पाकुड़ तीन पहाड़ जा रहे थे, दोनो दरोगा। हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के एसी बोगी के दंपति यात्री के साथ काशीचक स्टेशन पर मारपीट, सीट पर बैठने को लेकर दरोगा दंपति के साथ हुई मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया।ट्रेन में सवार अन्य यात्रियों का आरोप था कि ट्रेन का वैक्यूम काट युवकों ने की मारपीट की।

गया के बैंककर्मी का शव कोडरमा रेल ट्रैक पर मिला, मौत की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस

लॉ कॉलेज के पीछे धनबाद-गया रेलखंड पर मिला युवक का शव, मोबाइल से हुई पहचान

घटनास्थल से मोबाइल, हेडफोन और माचिस बरामद

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

फतेहपुर (गया जी):गया शहर के एक निजी बैंककर्मी का शव सोमवार सुबह कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में धनबाद-गया रेलखंड पर मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गया जिला मुख्यालय के राजेंद्र पथ, तेलबीघा निवासी तुषार कुमार के रूप में हुई है, जो आईडीएफसी बैंक में कार्यरत थे। आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि बिशुनपुर रोड स्थित लॉ कॉलेज के पीछे रेलवे ट्रैक की निगरानी कर रहे एक चाभी मैन ने पोल संख्या 395/25 के पास युवक का शव देखा। उसने तत्काल रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को सूचना दी। सूचना मिलते ही आरपीएफ और तिलैया थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान मृतक के मोबाइल पर उनके पिता का फोन आने से शव की पहचान संभव हो सकी। घटनास्थल से मोबाइल फोन, हेडफोन और एक माचिस भी बरामद की गई है, जिन्हें जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक तौर पर मामला ट्रेन की चपेट में आने से मौत का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी पहलुओं की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए कोडरमा सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की गंभीरता से जांच जारी है।

स्व. जगजीवन राम की 40वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि, सामाजिक न्याय के संघर्ष को बताया प्रेरणास्रोत

पटना, (एजेंसी) : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री स्व.जगजीवन राम जी की 40 वीं पुण्यतिथि सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम पटना में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम की अध्यक्षता में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं एवं कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि बाबू जगजीवन राम भारतीय राजनीति के ऐसे महान जननायक थे जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय, समानता और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए समर्पित किया। उनका संघर्ष, सादगी और राष्ट्र निर्माण में योगदान आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने कहा कि बाबू जगजीवन राम ने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर देश के विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक कुशल प्रशासक, दूरदर्शी नेता और सामाजिक समरसता के प्रबल पक्षधर के रूप में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि बाबू जगजीवन राम के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और समाज के कमजोर, वंचित एवं पिछड़े वर्गों को न्याय दिलाने की उनकी सोच कांग्रेस पार्टी की विचारधारा का अभिन्न हिस्सा है। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव सह प्रभारी शाहनवाज आलम, अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव, पूर्व विधायक डॉ.शकील अहमद खान, पूर्व मंत्री संजीव प्रसाद टोनी, प्रतिमा कुमारी दास, असितनाथ तिवारी, पंकज यादव, कमल कमलेश, राजीव मेहता, प्रेमचन्द सिंह, अरविन्द लाल रजक, चन्द्र प्रकाश सिंह, कमलदेव नारायण शुक्ला, सूरज यादव, नदीम अंसारी, चन्द्रभूषण राजपूत, शशांत शेखर, मृणाल अनामय, रीता सिंह, डॉ.अमन कुमार, रंजीत कुमार बाल्मीकी, विशाल यादव, नवनीत जयपुरियार, अंकुर राज, मिहिर झा, शालीग्राम शर्मा, राजीव मिश्रा, मो. चान्द, साहेव कुमार, आरती राय सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

पूर्व मध्य रेल के चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में लगभग 8000 करोड़ रुपए का हुआ प्रारंभिक आय

हाजीपुर(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेल को चालू वित्त वर्ष 2026-27 के प्रथम तिमाही अर्थात अप्रैल से जून, 2026 तक यात्री यातायात, माल ढुलाई सहित अन्य सभी स्त्रोतों से प्राप्त होने वाले आय में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ लगभग 8000 करोड़ रूपए की प्रारंभिक आय प्राप्त हुई है। चालू वित्त वर्ष के प्रथम तिमाही में 06 करोड़ 65 लाख यात्रियों ने पूर्व मध्य रेल के क्षेत्राधिकार से यात्रा प्रारंभ किया । चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में यात्री यातायात से 1438 करोड़ रूपए की आय प्राप्त हुई जो पिछले वर्ष के प्रथम तिमाही की तुलना में 14.44 प्रतिशत ज्यादा है। इनमें नन पीआरएस से प्राप्त आय में प्रथम तिमाही के दौरान 20.37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए रुपए 514 करोड़ की आय हुई जबकि पीआरएस से प्राप्त आय में 11.39 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 924 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई है। इसी क्रम में पार्किंग से प्राप्त आय के मामले में पिछले वर्ष के प्रथम तिमाही की तुलना में 86.41 प्रतिशत की वृद्धि के साथ चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में 12.62 करोड़ रुपए की आए हुई । नन फेयर रेवेन्यू से प्राप्त आय में भी 26.28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी और यह पिछले वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में नन फेयर रेवेन्यू से प्राप्त आय 5.09 करोड़ रुपए की तुलना में 6.55 करोड़ रुपए रही । कैटरिंग से प्राप्त आय में भी प्रथम तिमाही के दौरान 5.08 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 8.68 करोड़ की आय हुई है । इसी तरह टिकट चेकिंग के मामले में भी पिछले वर्ष के प्रथम तिमाही की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया गया । पिछले वर्ष के प्रथम तिमाही के दौरान कुल 9.87 केस की तुलना में 6.35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में 10.50 केस दर्ज किए गए जिससे कुल 73 करोड़ रुपए वसूल किए गए जो पिछले वर्ष के प्रथम तिमाही की तुलना में 15.11 प्रतिशत अधिक है ।

शोक की घड़ी में प्रशासन बना सहारा, पारिवारिक लाभ योजना का चेक पहुंचा मृतका के घर

बीडीओ के निर्देश पर अधिकारियों ने घर जाकर सौंपी 20 हजार रुपये की सहायता राशि

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड की कठौतिया-केवाल पंचायत के गुरपा कोल्टीन गांव में सोमवार को प्रशासन ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए मृतका सपना कुमारी के परिजनों को पारिवारिक लाभ योजना के तहत 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। प्रखंड विकास पदाधिकारी शशिभूषण साहू के निर्देश पर पंचायत सचिव सुधीर कुमार, कार्यपालक सहायक शैलेश कुमार झा, मुखिया सारिका कुमारी, समाजसेवी रंजीत कुमार साव, राजेश मांझी तथा स्वच्छता पर्यवेक्षक अजीत कुमार मृतका के घर पहुंचे और उनके पति गणेश कुमार मांझी को सहायता राशि का चेक सौंपा। इस दौरान अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी जरूरत पड़ने पर हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। सहायता राशि मिलने पर गणेश कुमार मांझी और उनके परिजनों ने प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कठिन समय में मिली यह आर्थिक मदद उनके लिए बड़ी राहत साबित होगी।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर पुष्पांजलि समारोह

अररिया (एजेंसी) : फारबिसगंज रेणु सार्वजनिक पुस्तकालय परिसर में भाजपा नगर इकाई की ओर से सोमवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वें जयंती पर पुष्पांजलि समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नगर अध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद मिंटू ने किया।

मौके पर मौजूद भाजपा नेता प्रवीण कुमार ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रवाद के पुरोधा रहे हैं।राष्ट्र पुनर्निर्माण में स्वदेशी नीति के वे न केवल प्रबल समर्थक थे बल्कि उनका संपूर्ण जीवन भारत की एकता अखंडता और प्रगति के लिए समर्पित रहा।

भाजपा नेता श्री कुमार एवं नगर अध्यक्ष श्री प्रसाद ने डॉ मुखर्जी को याद करते हुए कहा कि 6 जुलाई उन लाखों लोगों के लिए खास दिन है,जो राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखते है।कहा कि डॉ मुखर्जी जैसे राष्ट्र पुरुष का जीवन, साहस राष्ट्र भक्ति और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण की अमर मिशाल है।आधुनिक भारत में बहुत कम ऐसे नेता हुए,जिनमें डॉ मुखर्जी की तरह बुद्धिमता,जन सेवा और नैतिक दृढ़ता का इतना गहरा संगम देखने को मिला हो। उनका जीवन सदैव देश वासियों के लिए प्रेरणाश्रोत रहेगा।

मौके पर भाजपा जिला महामंत्री राजेंद्र यादव,जिला उपाध्यक्ष प्रताप नारायण मंडल, जिला प्रवक्ता प्रो. गणेश ठाकुर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष चांदनी सिंह, पूर्व नगर अध्यक्ष रजत सिंह,प्रदीप कन्नौजिया,नगर उपाध्यक्ष आदर्श गोयल,आयुष कुमार,राधा देवी,नगर मंत्री विपिन जायसवाल,शिवराम शर्मा,पप्पू राय,राम,नाथ साह, पार्षद गणेश गुप्ता,भाजयुमो जिला मंत्री अर्नव सिंह गोलू, माधवलाल दास आदि मौजूद रहे।मौके पर भाजपा नेत्री नम्रता सिंह, पूनम देवी, रूपा देवी सुनीता देवी सहित अनेकों कार्यकताओं ने पुष्पांजलि अर्पित किया।

फतेहपुर के रक्सी गांव से हत्या मामले का नामजद अभियुक्त नेपाली चौहान गिरफ्तार

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र के रक्सी गांव में हुए बाबूलाल चौहान हत्याकांड के दो साल से फरार नामजद अभियुक्त नेपाली चौहान को पुलिस ने घटना के करीब दो वर्ष बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की हत्या की घटना के बाद से लगातार पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहा था।

रक्सी गांव निवासी बाबूलाल चौहान की हत्या के मामले में उनके पुत्र मदन चौहान ने वर्ष 2024 में फतेहपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दर्ज प्राथमिकी में नेपाली चौहान सहित कई लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। घटना के बाद से नेपाली चौहान फरार था और पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही थी। सोमवार को पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नेपाली चौहान को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उससे इस मामले में गहन पूछताछ की गई। इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि हत्या के इस मामले में फरार चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान सोमवार को हत्या अभियुक्त नेपाली चौहान को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में दो शेष फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी जारी है और उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आहर किनारे मिले बुजुर्ग के शव मामले में हत्या की प्राथमिकी, चार नामजद

पुत्र ने चार ग्रामीणों पर हत्या कर शव झाड़ी में फेंकने का लगाया आरोप

फतेहपुर (गया जी): टनकुप्पा थाना क्षेत्र की चोवार पंचायत के मंगरैल गांव में 80 वर्षीय यमुना यादव की संदिग्ध मौत के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मृतक के पुत्र ने घटना के चार दिन बाद हत्या का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करने के लिए थाना में आवेदन दिया है। उसके आवेदन पर पुलिस ने चार लोगों के विरुद्ध हत्या कर शव झाड़ी में फेंकने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है।मृतक के पुत्र ने घटना के चार दिन बाद गांव के चार लोगों को नामजद करते हुए आरोप लगाया है कि उनके पिता की हत्या कर साक्ष्य छिपाने की नीयत से शव झाड़ियों में फेंक दिया गया। बताया गया है कि यमुना यादव शुक्रवार की सुबह मवेशियों के लिए घास काटने घर से निकले थे, लेकिन देर दोपहर तक वापस नहीं लौटे। परिजनों और ग्रामीणों की तलाश के दौरान उनका शव गांव से बाहर आहर के भिंड के नीचे झाड़ियों में पड़ा मिला था। मृतक के जांघ, घुटने और बाएं हाथ की हथेली के नीचे चोट के निशान पाए गए थे। सूचना मिलने पर टनकुप्पा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम की सहायता से घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल, गया भेजा गया था।थानाध्यक्ष बसंत कुमार राय ने बताया कि आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस सभी बिंदुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एफएसएल रिपोर्ट और अनुसंधान में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

गया जंक्शन पर वन-बी प्लेटफॉर्म की बदल रही तस्वीर

युद्धस्तर पर जारी है पुनर्निर्माण,करीब 150 अधिकारी-कर्मी तैनात, 13 जुलाई तक कार्य पूरा करने का लक्ष्य

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन के वन-बी प्लेटफॉर्म का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। 15 दिनों के मेगा ब्लॉक के दौरान रेलवे द्वारा युद्धस्तर पर पुनर्निर्माण कार्य कराया जा रहा है। निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने के लिए दिन-रात तीनों शिफ्ट में निर्माण कार्य जारी है। प्लेटफॉर्म पर यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यात्री शेड लगाया जा रहा है। प्लेटफॉर्म की ऊंचाई भी बढ़ाई जा रही है ताकि यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने और उतरने में अधिक सुविधा मिल सके। गया जंक्शन के पुनर्विकास योजना के तहत निर्माण कार्य अत्याधुनिक तकनीक और मशीनों की मदद से किया जा रहा है। जेसीबी, पोकलेन सहित अन्य भारी मशीनों का उपयोग कर पुराने ढांचे को हटाने और नए प्लेटफॉर्म का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार मेगा ब्लॉक की अवधि का अधिकतम उपयोग करते हुए कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो, इसके लिए हर स्तर पर निगरानी की जा रही है।

निर्माण कार्य को समय पर पूरा करने के लिए प्रतिदिन करीब 150 अधिकारी और कर्मियों की तीनों शिफ्ट में तैनाती की गई है। रेल कंस्ट्रक्शन विभाग के अभियंता हरिगोविंद राय लगातार मौके पर मौजूद रहकर कार्य की निगरानी कर रहे हैं। इसके अलावा निर्माण एजेंसी के महाप्रबंधक (जीएम) विनोद कुमार सिंह और प्रोजेक्ट मैनेजर संजय कुमार सिन्हा भी गया में कैंप कर रहे हैं ताकि किसी भी तकनीकी या प्रशासनिक समस्या का तत्काल समाधान किया जा सके। रेलवे का लक्ष्य निर्धारित अवधि 13 जुलाई तक सभी प्रमुख कार्यों को पूरा करना है। इसके बाद प्लेटफॉर्म यात्रियों के लिए अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और आधुनिक स्वरूप में उपलब्ध होगा। यात्री शेड, ऊंचे प्लेटफॉर्म और बेहतर आधारभूत संरचना के कारण यात्रियों को मौसम से राहत मिलने के साथ ट्रेन में चढ़ने-उतरने में भी सुविधा होगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि गुणवत्ता और समयबद्धता दोनों को प्राथमिकता देते हुए निर्माण कार्य लगातार जारी है और तय समय के भीतर इसे पूरा करने के लिए पूरी टीम पूरी क्षमता से जुटी हुई है।

संपादकीय

शिवसेना का राम रक्षा आंदोलन, संघ की चिंता बढ़ी

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे में हुई चोरी के विरोध में राम रक्षा आंदोलन शुरू कर दिया गया है। इस आंदोलन को लेकर सबसे ज्यादा चिंता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उनसे जुड़े अनुवांशिक संगठन तथा भाजपा को है। हिंदुओं के बीच में यह आंदोलन बड़ा प्रभाव डालने वाला हो सकता है। इस आंदोलन के माध्यम से शिवसेना ने संघ और भाजपा को उन्हीं की स्टाइल में घेरने की रणनीति अपनाई है। उद्धव ठाकरे ने मध्य मुंबई के दादर स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान स्तोत्र, राम रक्षा स्त्रोत और हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस अवसर पर भारी संख्या में लोग शामिल हुए। उद्धव ठाकरे ने मंदिर के बाहर एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा और दान में जो चोरी हुई है, इसकी निष्पक्ष जांच की जाए। उद्धव ठाकरे भगवा रंग का कुर्ता पहनकर हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि यदि हिंदुत्व की आस्था का गलत इस्तेमाल करके कोई मंदिर को लूटता है। ऐसे हिंदुओं को हम बख्शेंगे नहीं। रैली में उन्होंने एक नारा लगाया, जिसमें कहा हम भाजपा मुक्त राम का आवाहन करते हैं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए जो कारसेवा शिव सैनिकों ने की थी, बाबरी मस्जिद ढहने के बाद जब संघ और भाजपा के बड़े-बड़े नेताओं ने अपना पल्ला झाड़ लिया था। उस समय बालासाहेब ठाकरे और शिव सैनिकों ने राम मंदिर के लिये कारसेवा की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली थी। शिव सैनिकों के ऊपर कई वर्षों तक मुकदमे भी चलते रहे। संघ और भाजपा ने हिंदुओं के बीच में जन जागरण के लिए विशेष रूप से गुजरात में हर मंगलवार को बजरंगबली के मंदिर के सामने हनुमान चालीसा का पाठ किया जाता था। गुजरात में बजरंगबली के मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ करके हिंदुओं को एकजुट करने का संघ और भाजपा ने जो प्रयोग 1999 में शुरू किया था, वही प्रयोग 2026 में उद्धव ठाकरे ने अयोध्या मंदिर के चढ़ावे और दान में जो चोरी हुई है। उसको लेकर भाजपा के खिलाफ एक बड़ा मोर्चा खोल दिया है। 2019 में भाजपा से अलग होकर उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस से हाथ मिलाया था। उसके बाद से ही वह भाजपा के निशाने पर आ गए थे। देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना को तोड़कर एकनाथ शिंदे को उपमुख्यमंत्री बनवाकर उद्धव ठाकरे को हिंदू विरोधी साबित करने में जुटे हैं।

प्राण देकर भी मित्र के प्राण की रक्षा करनी चाहिए।

: बाणभट्ट

जो काम पड़ने पर सहायक होता है, वही मित्र है।

: दीर्घनिकाय

एक साथ पांच राज्यो के मुख्यमंत्री बदलने की चर्चा !

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा हाल ही में यह दावा किया गया है कि भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश,राजस्थान,छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश व बिहार में मुख्यमंत्री बदलने की तैयारी कर रही है।अखिलेश यादव का आरोप है कि केंद्रीय नेतृत्व मध्य प्रदेश और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों को हटाने के लिए एक बहाना ढूंढ रहा है, ताकि अंततः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पद से हटाया जा सके।वही बिहार में भरत तिवारी फर्जी एनकाउंटर ने मुख्यमंत्री की कुर्सी को हिलाकर रख दिया है।साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल में व्यापक बदलाव करते हुए करीब 10 मंत्रियों की जिम्मेदारियां बदली जा सकती हैं या उन्हें मंत्रिमंडल से बाहर किया जा सकता है। इतना ही नही देश के पांच राज्यों में नए राज्यपालों की नियुक्ति की भी संभावना जताई जा रही है। राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि दो केंद्रीय मंत्रियों को राज्यपाल बनाया जा सकता है।

इन अटकलों को उस समय और बल मिला जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात के उद्देश्य को लेकर राष्ट्रपति भवन या गृह मंत्रालय की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है।फिर भी मध्य प्रदेश, राजस्थान ,उत्तर प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों को लेकर अलग-अलग राजनीतिक चचाएं सामने आ रही हैं, लेकिन पार्टी या सरकार की ओर से ऐसी किसी संभावना की पुष्टि अभी तक नहीं की गई है।

महाराष्ट्र की राजनीति को लेकर भी चचाओं का बाजार गर्म है। दावा किया जा रहा है कि शिवसेना के कुछ विधायक पाला बदल सकते हैं, जबकि भाजपा संगठन में भी नई नियुक्तियों और जिम्मेदारियों को लेकर मंथन चल रहा है।

फिलहाल यह पूरा घटनाक्रम राजनीतिक चचाओं और सूत्रों पर आधारित है। केंद्र सरकार और भाजपा की ओर से किसी भी बड़े फेरबदल को लेकर अब तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। ऐसे में सभी की नजरें आने वाले दिनों में पार्टी और सरकार के संभावित फैसलों पर टिकी हैं।लेकिन इन चचाओं को बल क्यो मिला ,इसके भी अलग अलग कारण सामने आ रहे है।

उत्तर प्रदेश में राम मंदिर में दान-चढ़ावे की चोरी के आरोपों को लेकर राजनीति गरमा गई है। इस मुद्दे का इस्तेमाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि खराब करने और उन्हें घेरने की कोशिश के रूप में हो रहा है।योगी आदित्यनाथ के राजनीतिक विरोधी इस अवसर को भुनाने की फिराक में है और इस मुद्दे पर योगी को मुख्यमंत्री की कुर्सी से बेदखल करने की तैयारी कर रहे है।तभी तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विरोधियों ने इस विषय को राजनीतिक रंग देना शुरू कर दिया है।योगी विरोधियों को लगता है कि योगी को कुर्सी से हटाने के इससे बेहतर अवसर कोई दूसरा नही हो सकता।लेकिन वास्तव में श्रीराम मंदिर में चंदा चोरी मुख्यमंत्री की कुर्सी को हिला पाती है या नही यह आने वाले दिनों में ही पता चल पाएगा।

इसी प्रकार मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव को उनके पद से हटाने का मुद्दा हाल ही में उनके और उनके परिवार द्वारा उज्जैन में कथित तौर पर बड़े पैमाने पर जमीन खरीदने से जुड़े जमीन सौदे के आरोपों के कारण गरमाया है।मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद से मोहन यादव के परिवार और रियल एस्टेट फर्मों ने उज्जैन में भारी मात्रा में जमीन खरीदी है।

जिस पर कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि उनके मंत्री और फिर मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके परिवार की जमीन का स्वामित्व लगभग 100 एकड़ से बढ़कर 335 एकड़ कैसे हो गया?यह जांच का विषय है।आरोप ये भी है कि ये जमीनें ज्यादातर उन क्षेत्रों में खरीदी गईं, जहां सरकार ने जमीन खरीदने के बाद नई सड़क परियोजनाओं और भूमि-उपयोग में बदलाव की घोषणा की थी।मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने इसे महाकाल की जमीन की लूट करार दिया है। कांग्रेस ने नैतिक आधार पर सीएम के इस्तीफे और सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज से न्यायिक जांच की मांग की है।जबकि भाजपा का कहना है कि मोहन यादव का परिवार सालों से रियल एस्टेट के कारोबार में है और परिवार के निजी व्यापार को सीएम पद से जोड़ना गलत है।वही राजस्थान में वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने हाल ही में दावा किया कि राजस्थान और दिल्ली दोनों स्तरों पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पद से हटाने के लिए एक बड़ी साजिश चल रही है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी ऐसे दावे किए है कि भाजपा कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों को बदलने की तैयारी में है।कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि स्थानीय भाजपा विधायकों और नेताओं को दरकिनार किए जाने, और प्रशासन में नौकरशाहों का हस्तक्षेप अधिक होने से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रति असंतोष पनप रहा है।गहलोत ने दावा किया है कि शर्मा को मुख्यमंत्री पद से हटाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर ही एक भयंकर षड्यंत्र रचा जा रहा है.

कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा, अभी तो इनके खिलाफ में इनके पार्टी के लोग लग चुके हैं, दिल्ली में भी और राजस्थान के अंदर भी ,भयंकर षड्यंत्र चल रहा है इनको हटाने का, ये समझ नहीं पा रहे हैं. गहलोत ने यह भी कहा कि उन्होंने खुद शर्मा के हित में यह सलाह दी है कि उन्हें बनाए रखना चाहिए, क्योंकि एक युवा नेता को पहली बार मौका मिला है और वह सीधे मुख्यमंत्री बन गए हैं, यह बहुत बड़ी बात है।

अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री के चारों ओर के माहौल पर भी सवाल उठाए है। उन्होंने कहा कि शर्मा के इर्द-गिर्द तारीफ करने वालों का घेरा बना हुआ है, जिससे उन्हें असली हालात की जानकारी नहीं मिल पा रही है। पूर्व सीएम गहलोत ने कहा, अब जो इनके चारों ओर जो घेरा बना लिया है इन्होंने, वो इनकी तारीफों के पुल बांध रहा होगा कि अच्छी सरकार चल रही है, तो इनको समझ में आ नहीं रही है। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री कार्यकताओं से सीधे बात करें, तो जमीनी सच्चाई सामने आ सकती है।दूसरी ओर छत्तीसगढ़ के राजनीतिक गलियारों में हाल ही में संभावित फेरबदल की चचाएं उठीं है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा और रिपोर्ट कार्ड तैयार करने के लिए मुख्यमंत्री निवास मे बैठकें बुलाई थीं। हालाँकि, इसे शासन-प्रशासन के स्तर पर कामकाज में सुधार और योजनाओं की गति तेज करने की प्रक्रिया माना गया है।फिर भी दिल्ली से उन्हें हटाने की चचाओं को हवा मिल रही है।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के भीतर आंतरिक असंतोष और प्रशासनिक गतिरोध की खबरें सामने आई हैं, जिसके कारण नेतृत्व में फेरबदल की अटकलें भी तेज हो गई हैं।छत्तीसगढ़ के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार के भीतर गहरे मतभेद, नौकरशाही पर नियंत्रण में कमी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पनप रहे हैं।राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि सत्ताधारी नेताओं की कार्यप्रणाली और अधूरे वादों को लेकर विभिन्न वर्गों में समय-समय पर नाराजगी देखी गई है।जिस कारण नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे को बल मिल रहा है।

बिहार में भोजपुर के बिलौटी गांव में हुए भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर पर भारी विवाद के कारण बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी राजनीतिक दबाव में आ गए है और उनकी कुर्सी पर भी खतरा मंडराने लगा है। हालांकि, उनके सीधे इस्तीफे या पद से हटाए जाने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन सरकार ने बैकफुट पर आते हुए न्यायिक जांच आयोग का गठन कर दिया है।बढ़ते आक्रोश को देखते हुए बिहार सरकार ने घटना की जांच पटना हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा की अध्यक्षता वाली न्यायिक समिति को सौंप दी है, साथ ही जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों पर भी प्रशासनिक गाज गिरी है।जनसुराज पार्टी के अध्यक्ष प्रशांत किशोर ने दावा किया कि यह पुलिस एनकाउंटर नहीं बल्कि हत्या का मामला है। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वो प्रशासनिक और राजनीतिक रूप से अनुभवहीन हैं और अपराध के खिलाफ उनकी नीति केवल दिखावटी है।

डॉ श्रीगोपाल नारसन

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गांधी के चंपारण में फिर उठा जमीन का प्रश्न

चंपारण भारतीय लोकतंत्र और किसान आंदोलनों के इतिहास में केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध अहिंसक प्रतिरोध का प्रतीक है। यही वह धरती है जहाँ 1917 में महात्मा गांधी ने अपने पहले सत्याग्रह के माध्यम से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। नील की खेती करने वाले किसानों पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध शुरू हुआ वह आंदोलन केवल आर्थिक शोषण के खिलाफ संघर्ष नहीं था, बल्कि राज्य, समाज और नागरिक के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने वाला ऐतिहासिक क्षण भी था। गांधी ने चंपारण में यह स्थापित किया कि विकास या शासन का कोई भी मॉडल जनता की सहमति, न्याय और मानवीय गरिमा की उपेक्षा करके सफल नहीं हो सकता।एक सदी से अधिक समय बाद पूर्वी चंपारण का पिपराकोठी क्षेत्र फिर भूमि के प्रश्न को लेकर चर्चा में है। इस बार विवाद नील की खेती का नहीं, बल्कि प्रस्तावित वाटर पार्क परियोजना का है। प्रशासन द्वारा वाटगंज क्षेत्र की लगभग 17 एकड़ भूमि को सरकारी घोषित कर उसकी जमाबंदी रद्द किए जाने के बाद किसान आंदोलनरत हैं। किसानों का कहना है कि वे और उनके पूर्वज पिछले सात-आठ दशकों से इस भूमि पर खेती करते आए हैं। उनके पास दाखिल-खारिज, राजस्व रसीदें तथा अतीत में मुआवजा मिलने जैसे दस्तावेज भी हैं। उनका आरोप है कि अचानक भूमि को सरकारी घोषित कर उनसे उनकी आजीविका का आधार छीनने की कोशिश की जा रही है।

दूसरी ओर प्रशासन की कार्रवाई इस आधार पर बताई जा रही है कि संबंधित भूमि सरकारी अभिलेखों में सरकारी संपत्ति है और प्रस्तावित विकास परियोजना के लिए आवश्यक प्रक्रिया अपनाई गई है। यही वह बिंदु है जहाँ विवाद का समाधान केवल राजनीतिक नारों से नहीं, बल्कि तथ्य, कानून और पारदर्शी प्रशासनिक प्रक्रिया से ही संभव हो सकता है।

भूमि केवल संपत्ति नहीं होती; वह किसान के लिए उसकी पहचान, सुरक्षा और पीढ़ियों की स्मृतियों का आधार होती है। जिस खेत में एक परिवार कई दशकों तक खेती करता है, वह उसके लिए केवल उत्पादन का साधन नहीं, बल्कि जीवन का केंद्र बन जाता है। ऐसे में यदि भूमि की स्थिति को लेकर कोई विवाद उत्पन्न होता है, तो उसका प्रभाव केवल राजस्व अभिलेखों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सामाजिक तनाव और अविश्वास का कारण भी बनता है।

पिपराकोठी का आंदोलन इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। किसानों का आरोप है कि आंदोलन करने पर उनके विरुद्ध कई मुकदमे दर्ज किए गए हैं। कुछ परिवारों का कहना है कि पुलिस कार्रवाई के भय से पुरुष सदस्य गाँव छोड़ने को मजबूर हुए, जबकि महिलाओं ने मोर्चा संभाला। महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि रात के समय पुलिस घरों में पहुँचकर दबाव बनाती है। यदि ऐसे आरोप लगाए गए हैं, तो उनकी निष्पक्ष जाँच होना आवश्यक है। वहीं प्रशासन का भी यह दायित्व है कि वह कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपनी कार्रवाई का स्पष्ट तथ्यात्मक पक्ष सार्वजनिक करे। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी पक्ष का दावा अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता; सत्य की स्थापना निष्पक्ष जाँच और न्यायिक प्रक्रिया से ही होती है।

इस आंदोलन ने अब राजनीतिक स्वरूप भी ग्रहण कर लिया है। राष्ट्रीय जनता दल के सांसद सुधाकर सिंह किसानों के समर्थन में आंदोलन स्थल पर पहुँचे और प्रतीकात्मक रूप से विवादित भूमि पर ट्रैक्टर चलाकर अपना विरोध दर्ज कराया। इसके बाद पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भी किसानों के बीच पहुँचे। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि उनकी लड़ाई संसद से लेकर न्यायपालिका तक उठाई जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया जाएगा।

यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि इस आंदोलन ने भूमि अधिकार, विकास और किसानों की आजीविका के प्रश्न को फिर राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला दिया है। यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा संदेश है।

भूमि अधिग्रहण से जुड़े विवाद भारत में नए नहीं हैं। आजादी के बाद बड़े बांधों, औद्योगिक परियोजनाओं, खनन, राजमार्गों और शहरी विस्तार के लिए लाखों लोगों का विस्थापन हुआ। इन परियोजनाओं ने विकास के नए अवसर भी पैदा किए, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि अनेक स्थानों पर प्रभावित लोगों को न्यायपूर्ण मुआवजा, सम्मानजनक पुनर्वास और निर्णय-प्रक्रिया में पर्याप्त भागीदारी नहीं मिल सकी। इसी अनुभव ने यह प्रश्न बार-बार खड़ा किया कि क्या विकास का अर्थ केवल नई परियोजनाएँ हैं, या उसमें प्रभावित समुदायों का विश्वास और सहमति भी उतनी ही आवश्यक है?पिपराकोठी का विवाद भी इसी बड़े विमर्श का हिस्सा बन गया है। यदि सरकार पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से वाटर पार्क जैसी परियोजना विकसित करना चाहती है, तो यह अपने आप में अनुचित नहीं कहा जा सकता। बिहार जैसे राज्य में पर्यटन अवसंरचना का विकास रोजगार और निवेश के नए अवसर पैदा कर सकता है। लेकिन किसी भी विकास परियोजना की सफलता केवल उसके निर्माण से नहीं, बल्कि उसकी सामाजिक स्वीकार्यता से तय होती है। जिस परियोजना की शुरूआत ही अविश्वास और संघर्ष से हो, वह लंबे समय तक विवादों में घिरी रह सकती है।

यही कारण है कि लोकतांत्रिक शासन की पहली जिम्मेदारी संवाद है। यदि भूमि की प्रकृति को लेकर विवाद है, तो सरकार को सभी संबंधित अभिलेख, सर्वेक्षण, राजस्व रिकॉर्ड और कानूनी आधार सार्वजनिक करने चाहिए। यदि किसानों के पास भी स्वामित्व या दीर्घकालीन कब्जे से जुड़े दस्तावेज हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। किसी भी पक्ष की बात सुने बिना एकतरफा निष्कर्ष लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप नहीं होगा।इस आंदोलन का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष इसकी राजनीतिक गूंज है। सांसद सुधाकर सिंह और पप्पू यादव के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों और किसान संगठनों ने भी किसानों के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की है। वामपंथी दलों की स्थानीय इकाइयाँ भी भूमि अधिकारों के प्रश्न पर सक्रिय दिखाई दे रही हैं। यह लोकतंत्र का स्वाभाविक पक्ष है कि जन आंदोलनों पर राजनीतिक दल अपनी प्रतिक्रिया दें। लेकिन यह भी आवश्यक है कि आंदोलन किसानों के वास्तविक मुद्दों से भटककर केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का माध्यम न बन जाए। यदि राजनीति समाधान की दिशा में पुल बने तो उसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन यदि वह केवल ध्रुवीकरण का साधन बन जाए, तो सबसे अधिक नुकसान उन्हीं किसानों का होता है, जिनके नाम पर संघर्ष चल रहा होता है।

चंपारण का इतिहास हमें एक महत्वपूर्ण सीख देता है। महात्मा गांधी जब 1917 में यहाँ आए थे, तब उन्होंने किसी टकराव या हिंसक आंदोलन का रास्ता नहीं चुना। उन्होंने सबसे पहले किसानों की शिकायतें सुनीं, गाँव-गाँव जाकर तथ्य एकत्र किए, प्रशासन से संवाद किया और सत्य के आधार पर संघर्ष का मार्ग अपनाया। उनका विश्वास था कि न्याय की लड़ाई तथ्यों, नैतिक बल और जनविश्वास से जीती जाती है। यही कारण है कि चंपारण सत्याग्रह आज भी लोकतांत्रिक संघर्ष का आदर्श माना जाता है।

पिपराकोठी के वर्तमान आंदोलन के लिए भी यही दृष्टि सबसे अधिक प्रासंगिक है। किसानों को अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से संघर्ष जारी रखना चाहिए। वहीं प्रशासन को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर किसी निर्दोष नागरिक के अधिकारों का हनन न हो। यदि पुलिस कार्रवाई को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए हैं, तो उनकी स्वतंत्र जांच लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास बढ़ाने का माध्यम बन सकती है।

कुमार कृष्णन

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7565

★★★★☆ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7564 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

दैनिक पंचांग

7 जुलाई को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2026 वर्ष का 188 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 13.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 16.24 बजे को समाप्त। **योग** शोभन 14.31 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.25 बजे तदनन्तर बालव 00.59 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 36' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872763 **जूलियन दिन** 2461228.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 21 **विशेष** मासिक कृष्ण जन्माष्टमी।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.06 बजे से
चंद्र	मीन में	सिंह	08.22 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.34 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.45 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.00 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	17.16 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.21 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.07 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.40 बजे से
		मेष	00.11 बजे से
		वृष	01.51 बजे से
		मिथुन	03.49 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

विश्व क्षमा दिवस आत्मशुद्धि और मानवता का अमृत पर्व

हर वर्ष 7 जुलाई को विश्व क्षमा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को पुराने मतभेदों, कटु स्मृतियों और वैरभाव को भुलाकर स्वयं तथा दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रेरित करना है। वर्ष 1994 में कनाडा में क्राइस्ट्स एंबेसडर्स क्रिश्चियन एंबेसी द्वारा इस दिवस की शुरूआत की गई थी। आज यह दिन केवल किसी एक देश या समुदाय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया में शांति, प्रेम, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों का संदेश देने वाला अवसर बन चुका है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, तनाव, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के बीच क्षमा का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। यह केवल एक शब्द नहीं बल्कि जीवन को प्रकाशमान करने वाली ऐसी साधना है, जो व्यक्ति के भीतर के अंधकार को समाप्त कर देती है।

क्षमा का अर्थ केवल किसी से औपचारिक रूप से यह कह देना नहीं कि मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ। वास्तविक क्षमा हृदय की अनुभूति है। जब मन से क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और प्रतिशोध का भाव समाप्त हो जाता है, तभी सच्ची क्षमा जन्म लेती है। क्षमा अंतरात्मा का वह प्रकाश है जो मनुष्य को भीतर से निर्मल और शांत बनाता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में क्षमा को धर्म, तप और महानता का प्रतीक माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरस्य भूषणम्, अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही वास्तव में दूसरों को क्षमा करने की क्षमता रखता है।

विश्व क्षमा दिवस का महत्व केवल आध्यात्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनेक स्वास्थ्य अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि क्षमा करने वाला व्यक्ति तनाव, चिंता और अवसाद से अपेक्षाकृत जल्दी मुक्त हो जाता है। जब मन में कटुता रहती है तो उसका प्रभाव शरीर पर भी पड़ता है। रक्तचाप बढ़ता है, नींद प्रभावित होती है और मन अशांत बना रहता है। इसके विपरीत क्षमा का भाव मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और भावनात्मक संतुलन प्रदान करता है। इसलिए क्षमा केवल दूसरों के लिए नहीं बल्कि स्वयं के लिए भी सबसे बड़ा उपहार है।

भारतीय संस्कृति में क्षमा की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध रही है। विशेष रूप से जैन धर्म में क्षमा को आत्मशुद्धि का सर्वोच्च साधन माना गया है। चातुर्मास के दौरान आने वाले पर्यूषण पर्व के समापन पर संवत्सरी महापर्व मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक जैन श्रद्धालु अपने द्वारा जाने-अनजाने में हुई सभी भूलों के लिए सभी प्राणियों से क्षमा याचना करता है। वह विनम्र भाव से कहता है– मिच्छामि दुक्कडम्, अर्थात यदि मुझसे मन, वचन या कर्म से कोई भूल हुई हो तो मुझे क्षमा करें। इसी भावना को प्राकृत गाथा में व्यक्त किया गया है–

खामेमि सव्वे जीवा, सव्वे जीवा वि खमंतु में। मित्ति में सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ॥

इसका भावार्थ है कि मैं सभी जीवों से क्षमा मांगता हूँ, सभी जीव मुझे क्षमा करें। मेरा सभी प्राणियों के साथ मैत्रीभाव है और किसी के प्रति कोई वैर नहीं है। यह संदेश केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए शांति का सूत्र है।

क्षमा का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है जब हम केवल अपने प्रियजनों से ही नहीं बल्कि उन लोगों से भी क्षमा मांगें या उन्हें क्षमा करें जिनसे हमारे संबंधों में कटुता आ गई हो। अक्सर देखा जाता है कि लोग औपचारिक रूप से क्षमायाचना का संदेश भेज देते हैं, लेकिन मन में द्वेष बनाए रखते हैं। ऐसी क्षमा केवल शब्दों तक सीमित रहती है। सच्ची क्षमा वही है जो हृदय की गहराइयों से निकले और संबंधों में नई मधुरता का संचार करे। यदि हम अपने विरोधी के प्रति भी मैत्रीभाव रख सकें, तभी क्षमा का वास्तविक स्वरूप प्रकट होता है।

जीवन में कषाय अर्थात क्रोध, मान, माया और लोभ ही अधिकांश दुखों का कारण बनते हैं। जैन आगमों में कहा गया है कि कषाय ही कर्मों का मूल कारण है। इसलिए मनुष्य को अपने भीतर उठने वाले क्रोध और अहंकार को शीघ्र समाप्त कर देना चाहिए। परिवार और समाज में अधिकांश विवाद छोटी-छोटी बातों से प्रारंभ होते हैं, लेकिन यदि समय रहते क्षमा और संवाद का मार्ग अपनाया जाए तो बड़े से बड़ा विवाद भी समाप्त हो सकता है। क्षमा संबंधों को जोड़ती है, जबकि अहंकार उन्हें तोड़ देता है।

इतिहास और धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहाँ क्षमा ने असंभव प्रतीत होने वाली परिस्थितियों को भी बदल दिया। भगवान महावीर ने अपने विरोधियों के प्रति भी करुणा और क्षमा का भाव रखा। भगवान राम ने अपने धैर्य और विनम्रता से अनेक कठोर परिस्थितियों को सहज बना दिया। भगवान विष्णु ने भृगु ऋषि के पदाघात को भी सहजता से स्वीकार किया। भगवान बुद्ध ने अपमान और कटु वचनों का उत्तर भी शांत मुस्कान से दिया। महात्मा गांधी ने भी सत्य और अहिंसा के साथ क्षमा को अपने जीवन का आधार बनाया। इन सभी महापुरुषों ने सिद्ध किया कि क्षमा दुर्बलता नहीं बल्कि आत्मबल और आध्यात्मिक शक्ति का सर्वोच्च स्वरूप है।

आज का समाज अनेक प्रकार के तनाव, पारिवारिक विघटन, सामाजिक संघर्ष और मानसिक अशांति से जूझ रहा है। ऐसे समय में विश्व क्षमा दिवस हमें आत्मचिंतन का अवसर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन बहुत छोटा है। यदि हम क्रोध, ईर्ष्या और द्वेष को अपने भीतर स्थान देते रहेंगे तो सबसे अधिक नुकसान हमारा ही होगा। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने मन को शुद्ध करें, दूसरों की भूलों को क्षमा करें और अपनी भूलों के लिए विनम्रता से क्षमा मांगें। यही आत्मविकास का सबसे सरल और श्रेष्ठ मार्ग है।

विश्व क्षमा दिवस केवल एक तिथि नहीं बल्कि मानवता का उत्सव है। यह हमें सिखाता है कि प्रेम, करुणा, मैत्री और क्षमा ही स्थायी सुख के आधार हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में क्षमा का भाव विकसित कर ले तो परिवारों में प्रेम बढ़ेगा, समाज में सौहार्द स्थापित होगा और विश्व में शांति का वातावरण बनेगा। यही इस दिवस का वास्तविक संदेश है कि हम अपने भीतर के अहंकार को त्यागकर प्रेम और सद्भाव के दीप जलाएँ।

आइए, इस विश्व क्षमा दिवस पर हम संकल्प लें कि किसी भी व्यक्ति के प्रति मन में वैरभाव नहीं रखेंगे। यदि हमसे किसी के प्रति कोई भूल हुई है तो विनम्रतापूर्वक क्षमा मांगेंगे और जिसने हमें कष्ट पहुँचाया है, उसे भी खुले मन से क्षमा करेंगे। यही आत्मशुद्धि का मार्ग है, यही धर्म का सार है और यही मानव जीवन की सबसे बड़ी विजय है। सच ही कहा गया है–

प्रेम क्षमा सद्भाव का संवत्सर दिन खासआतप घटे कषाय का बढ़े धर्म की प्यास।

कांतिलाल मांडोत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

चीन ने किया लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण, क्षेत्रीय देशों ने जताई चिंता

बीजिंग। चीन ने सोमवार को दक्षिण प्रशांत महासागर में अपनी एक रणनीतिक परमाणु पनडुब्बी से लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की नौसेना के अनुसार यह परीक्षण उसके वार्षिक सैन्य प्रशिक्षण का नियमित हिस्सा था और इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों एवं नियमों के अनुरूप अंजाम दिया गया। फ्रांस के समाचार टेलीविज़न नेटवर्क फ्रांस24 और चीन की सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने पीएलए नौसेना के हवाले से बताया कि दोपहर 12:01 बजे डमी वॉरहेड से लैस रणनीतिक मिसाइल को प्रशांत महासागर के खुले समुद्री क्षेत्र की ओर दागा गया, जो पूर्व निर्धारित समुद्री इलाके में जाकर गिरी। चीन ने कहा कि यह परीक्षण किसी देश या विशेष लक्ष्य के खिलाफ नहीं था और संबंधित देशों को पहले से इसकी सूचना दे दी गई थी। उधर, चीन के इस परीक्षण को लेकर क्षेत्रीय देशों ने चिंता और विरोध जताया। न्यूजीलैंड सरकार ने कहा कि उसे प्रस्तावित लॉन्च की जानकारी परीक्षण से केवल कुछ घंटे पहले ही दी गई थी। सरकार ने बताया कि मिसाइल का परीक्षण दक्षिण प्रशांत परमाणु-मुक्त क्षेत्र में किया गया, जिसकी स्थापना 1986 की रारोटोंगा संधि के तहत हुई थी। न्यूज़ीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने कहा कि क्षेत्र में इस तरह की सैन्य गतिविधियों को लेकर पहले भी चिंता जताई जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद चीन ने बेहद कम समय पहले सूचना देकर परीक्षण कर दिया। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया ने भी चीन के इस कदम पर आपत्ति जताई। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि उनका देश इस तरह के मिसाइल परीक्षण को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए चुनौती मानता है। उन्होंने यह बयान फिजी में उस समय दिया जब ऑस्ट्रेलिया और फिजी ने प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से नई रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किए। उल्लेखनीय है कि चीन ने इससे पहले भी प्रशांत क्षेत्र में लंबी दूरी की मिसाइलों का परीक्षण किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि दक्षिण प्रशांत में इस तरह की गतिविधियां क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन को लेकर नई बहस को जन्म दे सकती हैं।

ट्रंप ने फिर की मेलोनी पर टिप्पणी, तस्वीर शेयर कर लिखा-रोकथाम के आदेश की जरूरत

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी को लेकर फिर टिप्पणी की जिससे विवाद भड़क गया। दरअसल ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर जी7 समिट की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें उनके सामने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी मौजूद हैं। इसके साथ जो कैप्शन उन्होंने लिखा है, वो मानो मेलोनी का मजाक उड़ाने जैसा है। इस पर लिखा है – रोकथाम के आदेश की जरूरत। अब ये तस्वीर चर्चा का विषय बनी गई है कि आखिर ट्रंप इसके जरिये क्या कहना चाहते हैं। ट्रंप ने यह नहीं बताया कि वे मेलोनी के खिलाफ रोकथाम के आदेश की बात कर रहे हैं, लेकिन कई लोगों ने यही समझा। कुछ लोगों का कहना है कि ट्रंप मेलोनी का मजाक उड़ा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके पीछे वजह ट्रंप और मेलोनी के बीच हुआ वह विवाद है, जिसने अंतरराष्ट्रीय सुर्खिया बटोरी थीं। नाटो के सम्मेलन में एक बार फिर से दोनों नेताओं की मुलाकात हो सकती है, उससे पहले ट्रंप का ऐसा पोस्ट करना दिखाता है कि उन्हें अपनी पुरानी टिप्पणी पर कोई पछतावा नहीं है। पिछले महीने जी7 समिट फ्रांस में हुआ था। इसमें भारत के पीएम मोदी समेत कई विश्व नेता शामिल हुए थे। ट्रंप ने सम्मेलन के बाद में दावा किया कि मेलोनी उनसे फोटो खिंचवाने के लिए मिन्नतें कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें इसके बाद मेलोनी पर तरस आया, इसलिए उन्होंने फोटो खिंचवाई। ट्रंप ने यह भी कहा कि मुझे उनसे बात करने की जरूरत नहीं थी, लेकिन मैंने बात कर ली। शायद वे इससे खुश होंगी। ट्रंप के इस दावे के बाद मेलोनी भी चुप नहीं बैठीं। उन्होंने एक पोस्ट किया था, जिसमें वे कह रही थीं कि ट्रंप के बयान पूरी तरह गलत और मनगढ़ंत हैं। उन्होंने ये भी कहा कि इटली और मैं किसी से भीख नहीं मांगते।

दिल्ली में अगले 24 घंटे में हल्की से मध्यम वर्षा के आसार, कई और राज्यों में होगी भारी वर्षा

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुसार दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग क्षेत्रों में मंगलवार और बुधवार को तेज हवाओं के साथ मेघ फिर से बरसेंगे, जिससे यहां के निवासी और अधिक सुहावने मौसम का लुत्फ उठाएंगे। वहीं, गुजरात, तटीय कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में भी घनघोर वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार राजधानी में मंगलवार को कई स्थानों पर तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं। वहीं, 8 और 9 जुलाई को भी यही स्थिति बनी रहेगी। इस दौरान यहां का तापमान भी सामान्य रहेगा। इस दिन तेज हवाओं का असर रहने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि राजधानी में पिछले दो-तीन दिनों तक हल्की से मध्यम वर्षा होने से मौसम सुहावना हो गयी था लेकिन आज फिर से तीखी धूप खिलने से तापमान में बढ़ोत्तरी हुई है। इसके कारण से लोगों को फिर से उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण झारखंड और उससे सटे उत्तरी अंदरूनी ओडिशा के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसलिए अगले तीन दिनों के दौरान देश के मध्य हिस्सों में मानसून के सक्रिय रहने की संभावना है। 7 जुलाई को कोंकण, गुजरात और तटीय कर्नाटक में, 7-8 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में, 8 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, अगले 3 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के उत्तरी अरब सागर के कुछ और हिस्सों, गुजरात, हरियाणा और पंजाब के बाकी हिस्सों और राजस्थान के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य भारत, पूर्वी भारत, पश्चिमी भारत, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में अगले 24 घंटे से लेकर छह दिनों के दौरान कहीं हल्की से मध्यम और कहीं भारी वर्षा होने के आसार हैं।

तमिलनाडु के मंदिर से चोरी हुई 500 साल पुरानी मूर्तियां बरामद,अंतरराष्ट्रीय गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

मयिलाडुथुरै/कराईकल। तमिलनाडु के मयिलाडुथुरै जिले के एक प्राचीन शिव मंदिर से चोरी की गई करीब 500 वर्ष पुरानी पंचधातु और कांस्य की बहुमूल्य मूर्तियों को श्रीलंका तस्करी किए जाने से पहले पुलिस ने बरामद कर लिया है। इस मामले में कराईकल पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह से जुड़े दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में श्रीलंका स्थित तस्करों से इनके संपर्क तथा करोड़ों रुपये मूल्य की प्राचीन मूर्तियों और आभूषणों की तस्करी से जुड़े नेटवर्क का भी खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, मयिलाडुथुरै जिले के मनलमेडु के निकट तिरुवाडैयूर गांव स्थित धर्मपुरम अधीनम के अधीन आने वाले प्राचीन श्री नीलकंठेश्वरर शिव मंदिर में 21 जून की आधी रात अज्ञात चोर ताला तोड़कर घुस गए थे। उन्होंने मंदिर के सुरक्षा कक्ष में रखी लगभग 500 वर्ष पुरानी पांच दुर्लभ प्रतिमाएं चुरा लीं। इनमें पंचधातु से निर्मित अमृतकरवल्ली, चंडिकेश्वरर, अप्पर और मंगालनायकी की प्रतिमाएं तथा कांस्य से निर्मित एक पावै दीप (दीप धारण करने वाली प्रतिमा) शामिल है। अगली सुबह मंदिर का ताला टूटा मिलने पर मंदिर प्रशासन ने मनलमेडु पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर विशेष जांच दल गठित किए और मूर्तियों की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान तमिलनाडु के खुफिया विभाग से केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी के कराईकल पुलिस को सूचना मिली कि चोरी की गई प्राचीन मूर्तियों को कराईकल समुद्र तट के रास्ते मोटरबोट से श्रीलंका भेजने की तैयारी की जा रही है। सूचना मिलते ही कराईकल के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर पुलिस और विशेष टीमों ने समुद्री तट तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी। इसी बीच मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने कराईकल के धर्मपुरम इलाके में स्थित एक मकान पर छापा मारा। तलाशी के दौरान वहां से चोरी की गई चार पंचधातु की प्राचीन मूर्तियां और एक कांस्य पावै दीप सहित सभी पांचों प्रतिमाएं सुरक्षित बरामद कर ली गईं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमत कई करोड़ रुपये आंकी जा रही है।

मध्य प्रदेश व कुवैत की मत्स्य कंपनी के बीच 7,430 करोड़ का एग्रीमेंट

एजेंसी, भोपाल

- 35 हजार रोजगार होंगे सृजित
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा- मप्र मत्स्य पालन के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाएगा
- इंदिरा सागर, बरगी, बाणसागर और बारना जलाशय में होगा इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में सोमवार को कुवैत की अग्रणी मत्स्य कंपनी-जबेदी अल कुवैत फिशरीज कंपनी और कामदार्स केयर इंदौर के बीच, प्रदेश में 7 हजार 430 करोड़ रुपये के निवेश और बाय बैक एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए। यह एग्रीमेंट मध्य प्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 के अंतर्गत हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस पहल से प्रदेश में मत्स्य उत्पादन, निर्यात और रोजगार को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में एग्रीमेंट पर हुए हस्ताक्षर के बाद यह विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार, विधायक रामेश्वर शर्मा तथा कुवैत फिश ट्रेड यूनियन के निदेशक मंडल के अध्यक्ष फारेस बौकम्माज़ उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अन्नदाता की समृद्धि के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से किसान कल्याण वर्ष में प्रदेश में पशुपालन, मत्स्य पालन जैसी आय बढ़ाने वाली गतिविधियों को प्रोत्साहित या बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश में तालाबों और जलाशयों के बेहतर प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अन्नदाता की समृद्धि के लिए कृषि के साथ-साथ मत्स्य पालन क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं विकसित हो रही हैं। प्रदेश के मछुआरा समुदाय के लोग मछली पालन जरिए ही अपनी आजीविका चलाते हैं। इन सबकी बेहतरी के लिए मध्य प्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 के अंतर्गत गतिविधियों को अंतरराष्ट्रीय विस्तार दिया जा रहा है। आज कुवैत की अग्रणी मत्स्य कंपनी और कामदार्स केयर इंदौर के बीच हुआ एग्रीमेंट प्रदेश में मत्स्य पालन और मछुआ कल्याण के क्षेत्र में नया इतिहास रचेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन विकास के लिए पर्याप्त जलसंरचनाओं के भंडार हैं। इससे देश की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ-साथ निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा। कृषि और खाद्यान्न के विकास को लेकर मध्यप्रदेश में अपार संभावनाएं हैं। कुवैत हमारा मित्र देश है, प्रदेश में विदेशी निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए राज्य सरकार पूर्ण समर्पण के साथ तेजी से कार्य कर रही है, अब इसके सुखद परिणाम भी लगातार सामने आ रहे हैं। भविष्य में मध्यप्रदेश मत्स्य पालन के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में हुए एग्रीमेंट के दौरान जानकारी दी गई कि मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्य उद्योग नीति-2026 के अंतर्गत राज्य में आधुनिक निर्यातोन्मुखी एवं मूल्य संवर्धन मत्स्य उद्योग के विकास के लिए निजी एवं विदेशी निवेश आकर्षित करने का प्रावधान है।

मुंबई में भारी बारिश के बीच 17 उड़ानें रद्द, 217 में देरी, अकासा-इंडिगो की एडवाइजरी जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

मुंबई में लगातार हो रही बारिश का असर छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर भी पड़ा है। 6 जुलाई को रात 12 बजे से सुबह 11:30 बजे तक 17 उड़ानें रद्द कर दी गईं हैं, जबकि 217 उड़ानें देरी से संचालित हुईं। इस बीच लगातार हो रही भारी बारिश के असर से निपटने के लिए अकासा और इंडिगो एयरलाइंस ने एडवाइजरी जारी की हैं। मुंबई में हुई बारिश की वजह से छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट अव्यवस्थित ट्रैवल पॉइंट्स में से एक बन गया है। हालात में सुधार के कोई संकेत न मिलने पर एयरलाइंस ने तुरंत यात्रियों को चेतावनी दी। आकासा एयर ने कहा कि मुंबई, पुणे और गोवा में भारी बारिश के कारण हमारे नेटवर्क की कुछ उड़ानें देर से चल सकती हैं। एयरलाइन ने यात्रियों से एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करने की अपील की। अकासा एयर ने यात्रा की योजनाओं में असुविधा को देखते हुए यात्रियों से धैर्य और समझदारी की उम्मीद जताई है।

एयरलाइन ने कहा कि हालांकि, यह स्थिति पूरी तरह से हमारे नियंत्रण से बाहर है, फिर भी आप निश्चिंत रहें कि हमारी टीमें आपकी मदद के लिए हमेशा तैयार हैं। कृपया एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी उड़ान का स्टेटस http://bit.ly/qpfltsts पर चेक कर लें।

इंडिगो ने जारी अपने एडवाइजरी में कहा कि मुंबई में खराब मौसम की वजह से उड़ानों के समय में बदलाव हो सकता है। हम मौसम पर लगातार नजर रखे हुए हैं और आपको सुरक्षित और आसानी से आपकी मंज़िल तक पहुंचाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। एयरलाइन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि हमारी वेबसाइट या ऐप के ज़रिए अपनी उड़ान की स्थिति (फ़्लाइट स्टेटस) के बारे में जानकारी लेते रहें। कृपया निश्चिंत रहें, हमारी टीमें हर कदम पर आपकी मदद और पूरा सहयोग करने के लिए मौजूद हैं। आपके धैर्य और समझदारी के लिए धन्यवाद।

टीएमसी के ममता के नेतृत्व वाले धड़े ने की चुनाव आयोग से मुलाकात

एजेंसी, नई दिल्ली

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाला अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस का धड़ा सोमवार को चुनाव आयोग से मिला और बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले धड़े की ओर से किए गए दावों का जबाव दिया। तृणमूल प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति का कार्यकाल पांच साल का होता है और यह 2027 तक चलेगा। ऋतब्रत ने दावा किया था कि कार्यकाल 3 वर्ष का होता है और यह 2025 में समाप्त हो चुका है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल में सांसद कल्याण बनर्जी, महुआ मोइत्रा और सागरिका घोष शामिल थीं। वर्तमान में ममता और ऋतब्रत के नेतृत्व वाले धड़े के बीच असली तृणमूल होने का संघर्ष चल रहा है। दोनों ही धड़े अपने-अपने आधारों पर दावा कर रहे हैं।

आयोग से मुलाकात का बाद कल्याण बेनर्जी ने कहा, "चुनाव आयोग द्वारा कथित तृणमूल सचिव ऋतुब्रत बनर्जी के एक अभ्यावेदन के आधार पर मांगे गए जवाब को दाखिल कर दिया है। हमने उस पर विस्तृत जवाब दिया है।"

उन्होंने बताया कि ऋतब्रत का रुख था कि तृणमूल की कार्यकारी समिति और राष्ट्रीय कार्य समिति का कार्यकाल केवल तीन वर्ष का होता है। इसलिए 2022 में अंतिम तृणमूल समिति और राष्ट्रीय कार्य समिति का गठन हुआ था और इसका कार्यकाल 2025 में समाप्त हो गया। बनर्जी ने आगे बताया कि पार्टी के संविधान में बदलाव कर इसे पांच वर्ष का कर दिया गया था। इसकी सूचना चुनाव आयोग को दी गई थी और उसके बाद चुनाव आयोग ने भी निर्देश दिया है कि जब भी चुनाव होने हों, वे पांच वर्षों के भीतर ही हों।

मप्र के सीहोर में ट्रक और बोलेरो की टक्कर में 5 की मौत, 4 गंभीर

एजेंसी, सीहोर

मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में सोमवार को एक तेज रफ्तार ट्रक और बोलेरो गाड़ी के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में 5 लोगों की मौत हो गई है जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। टक्कर इतनी भयानक थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और शव गाड़ी के मलबे में ही फंसे रह गए। यह हादसा सोमवार दोपहर करीब 2:45 बजे आष्टा और शुजालपुर के बीच स्थित ग्राम मेना गोदी के पास घटित हुआ। चश्मदीदों ने बताया कि टक्कर का प्रभाव इतना जबरदस्त था कि बोलेरो में सवार 3 लोग हवा में उछलकर करीब 15-20 फीट दूर जाकर गिरे। वहीं, बोलेरो चला रहे ड्राइवर का खून से सना शव और अन्य यात्री गाड़ी के क्षतिग्रस्त हिस्से में ही बुरी तरह फंस गया। हादसे में दो लोगों के पैर टूट गए, जबकि अन्य के सिर और छाती में गंभीर अंदरूनी चोटें आई हैं।

आष्टा एसडीओपी दामोदर गुप्ता ने बताया कि बोलेरो में कुल 9 लोग सवार थे, जिनमें राजाराम सुंदर (45), भगवान (50), इंदर सिंह (55), राधेश्याम (38), बनेसिंह (22), गुलाबचंद (30), हेमराज (25), देवीराम (60), अमरसिंह (45) शामिल थे। ये सभी राजगढ़ जिले के कालीपीठ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम भियापुरा के रहने वाले थे। ये सभी ग्रामीण किसी बीमारी का इलाज कराने के लिए आष्टा जा रहे थे, लेकिन पहुंचने से पहले ही मेना गोदी गांव के पास यह हादसा हो गया।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और आष्टा थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस और ग्रामीणों ने भारी मशक्कत के बाद बोलेरो के मलबे को कटर की मदद से काटकर घायलों और शवों को बाहर निकाला। सभी को तुरंत सिविल अस्पताल आष्टा पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सीहोर जिला अस्पताल और फिर हालत बेहद नाजुक होने के कारण आपातकालीन उपचार के लिए भोपाल रेफर कर दिया गया है।

एडिशनल एसपी सुनीता रावत ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना के वक्त और अस्पताल लाते समय पहले 4 लोगों की मौत हुई थी, लेकिन इलाज के दौरान एक और गंभीर घायल ने दम तोड़ दिया, जिससे कुल मृतकों की संख्या 5 हो गई है। उन्होंने बताया कि अब तक जिन मृतकों की शिनाख्त हो पाई है, उनमें इंदरसिंह पुत्र नंदराम और राजाराम पुत्र गणपत शामिल हैं, जो भियापुरा (राजगढ़) के निवासी थे। अन्य तीन मृतकों की पहचान की प्रक्रिया अभी जारी है। हादसे के बाद आरोपित ट्रक चालक अपने वाहन को छोड़कर मौके से फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है।

मानखुर्द में निर्माणाधीन तीन मंजिला मकान गिरने से सात लोगों की मौत

एजेंसी, मुंबई।

मानखुर्द के मंडाला जनता नगर में रविवार को रात करीब नौ बजे एक तीन मंजिला निर्माणाधीन मकान बगल के मकान पर गिर जाने से सात लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में एक महिला और छह बच्चे शामिल हैं। इस घटना में मलवे में एक व्यक्ति की दबे होने की आशंका व्यक्त की जा रही है, जिसकी तलाश जारी है। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य कर रही है। मानखुर्द पुलिस स्टेशन की टीम इस मामले की छानबीन कर रही है।

इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने मीडिया को बताया कि आज मंडाला जनता नगर में स्थित एक चाल में एक तीन मंजिला मकान का निर्माण कार्य किया गया था। आज दिन भर हो रही बारिश की वजह से यह निर्माणाधीन मकान रात करीब नौ बजे अचानक बगल के मकान पर गिर गया। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई है और एक की तलाश की जा रही है। इस घटना की गहन छानबीन जारी है।

मुंबई नगर निगम की महापौर रीतू तावड़े ने बताया कि यह घटना बहुत ही दुखद है। इस घटना में अवैध निर्माण बगल के मकान पर गिर गया। इससे बगल वाले मकान में एक महिला और उसके तीन बच्चे इसके साथ ही पड़ोस के तीन बच्चों निर्माणाधीन मकान में दब गए। इन सभी को तत्काल मलवे से निकालकर पांच लोगों को शताब्दी अस्पताल और दो को राजावाड़ी अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन दोनों अस्पतालों में डॉक्टरों ने इन सभी सात लोगों को मृत घोषित कर दिया। रीतू तावड़े ने बताया कि घटनास्थल पर मुंबई नगर निगम की टीम, फायर ब्रिगेड की टीम राहत और बचाव कार्य कर रही है। महापौर ने बताया कि गिरा हुआ मकान कलेक्टर की जमीन पर अवैध तरीके सेबनाया गया था।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता और स्थानीय पार्षद नवनाथ बन ने बताया कि इस घटना में अब तक छह लोगों को निर्माणाधीन मकान पूरी तरह से अवैध था। यहां गली काफी संकरी होने से एंबुलेंस पहुंचने में दिक्कत महसूस हो रही थी। घटनास्थल पर मलवे में और लोगों के दबे होने की आशंका है, इसलिए सावधानी से मलवे की छानबीन की जा रही है। मौके पर एनडीआरएफ और मुंबई नगर निगम की टीम के साथ पुलिस टीम काम कर रही है।

शराब घोटाला : पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव के बेटे से ईडी की पूछताछ जारी

एजेंसी, रांची

झारखंड के चर्चित शराब घोटाले की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव के बेटे रोहित उरांव सोमवार को निर्धारित समय पर रांची के हिनू स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे, जहां उनसे पूछताछ शुरू कर दी गई है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ईडी ने आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद रोहित उरांव से पूछताछ प्रारंभ की। जांच एजेंसी उपलब्ध दस्तावेजों, वित्तीय लेन-देन और अब तक जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर उनसे विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी जुटा रही है। पूछताछ का केंद्र शराब घोटाले से जुड़े कथित आर्थिक लेन-देन और अन्य तथ्यों को माना जा रहा है।

ईडी की जांच झारखंड के कथित शराब घोटाले और उससे जुड़े कारोबारी योगेंद्र तिवारी से संबंधित मामलों पर केंद्रित है। इसी जांच के दौरान एजेंसी ने रोहित उरांव को दूसरा समन जारी कर छह जुलाई को रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया था। वहीं, पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव को भी ईडी ने पूछताछ के लिए सात जुलाई को तलब किया है।

एजेंसी उनसे भी शराब घोटाले की जांच से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ करेगी। इससे पहले ईडी ने रोहित उरांव को पहला समन जारी कर 29 जून को और रामेश्वर उरांव को 30 जून को पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि, दोनों ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए तीन-तीन सप्ताह का समय मांगा था।

एनजीटी ने साकेत वन क्षेत्र अतिक्रमण मामले में डीडीए से मांगी लंबित मामलों की पूरी जानकारी

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की प्रधान पीठ ने साकेत वन क्षेत्र में कथित अतिक्रमण से संबंधित आवेदन की सुनवाई करते हुए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को दिल्ली उच्च न्यायालय तथा जिला न्यायालय में लंबित संबंधित मामलों का पूरा विवरण एवं समर्थनकारी दस्तावेज चार सप्ताह के भीतर रिकॉर्ड पर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

एनजीटी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि सुनवाई के दौरान डीडीए की ओर से निदेशक (भूमि प्रबंधन)-I अजय कादियान वर्चुअली उपस्थित हुए और अधिकरण को आश्वासन दिया कि भविष्य में डीडीए की ओर से उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा तथा समय पर जवाब दाखिल किए जाएंगे। डीडीए के अधिवक्ता ने अधिकरण को बताया कि संबंधित मामला दिल्ली उच्च न्यायालय में 8 अक्टूबर 2026 तथा जिला न्यायालय में 16 जुलाई 2026 को सूचीबद्ध है। इस पर अधिकरण ने दोनों मामलों का विस्तृत विवरण एवं संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। अधिकरण ने अजय कादियान की भविष्य की वर्चुअल उपस्थिति से छूट प्रदान करते हुए मामले की अगली सुनवाई 25 सितंबर 2026 निर्धारित की है। उल्लेखनीय है कि साकेत में लगभग छह एकड़ के वन क्षेत्र पर 500 से अधिक झुग्गियों के कब्जा करने की खबर का एनजीटी ने संज्ञान लेते हुए डीडीए से जवाब मांगा था।

अंबाला के नए साइंस सेंटर का नाम होगा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर, प्रतिमा भी लगेगी : नायब सिंह सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़

- मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अनेक निर्णय डॉ. मुखर्जी के विजन को आगे बढ़ाने वाले: जगत प्रकाश नड्डा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र सेवा, त्याग और सिद्धांतों का प्रतीक है। उनकी जयंती केवल उन्हें स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलने तथा नई पीढ़ी को उनके जीवन मूल्यों, आदर्शों और सिद्धांतों से प्रेरणा लेने का अवसर है। मुख्यमंत्री सोमवार को अंबाला में आयोजित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी 125 स्मरण पक्ष कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा भी उपस्थित रहे।

इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि अंबाला में 85 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले साइंस सेंटर का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर रखा जाएगा, साथ ही निर्माणाधीन शहीद स्मारक के नजदीक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष से जुलाई 2027 तक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का दो वर्षीय जयंती समारोह मनाया जा रहा है। यह आयोजन उनके विचारों को देश के जन-जन और घर-घर तक पहुंचाने का महायज्ञ है तथा राष्ट्र की ओर से उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व में ज्ञान, कर्म और राष्ट्रभक्ति की त्रिवेणी का अद्भुत संगम दिखाई देता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के प्रणेता थे। उन्होंने अपने संपूर्ण जीवन को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए समर्पित किया।

किसी दूसरे एक्टर से कभी नहीं हुआ इनसिक्योर

अभिषेक बच्चन ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में 26 साल पूरे किए हैं। उनकी पहली फिल्म 'रिफ्यूजी' 2000 में रिलीज हुई थी और इसी फिल्म से करीना कपूर ने भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। हाल ही में एक बातचीत में अभिषेक ने अपने सफर को याद किया और बताया कि कैसे इतने साल में एक एक्टर के तौर पर उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

अब कैमरे के सामने मैं कम्फर्टेबल हूं

अभिषेक ने एक एक्टर के तौर पर खुद में आए सबसे बड़े बदलाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बस एक ही बदलाव आया है कि अब मैं ज्यादा कम्फर्टेबल महसूस करता हूं। मुझे लगता है कि जब मैंने शुरुआत की थी, तो थोड़ी असहजता थी। लेकिन अब कैमरे के सामने मैं ज्यादा कम्फर्टेबल रहता हूं। जब आप जैसे हैं वैसे ही रहते हैं और खुद में सहज महसूस करते हैं, तो आपको उन फैसलों के बारे में स्पष्टता मिलती है जो आपको लेने होते हैं। आज मैं बहुत स्पष्ट हूं या यूं कहूं कि पिछले पांच से सात साल से कि किसी खास समय पर मुझे क्या नहीं करना है। करियर की शुरुआत में बहुत उत्साह होता है और काम मिलेगा या नहीं, इसे लेकर असुरक्षा भी होती है। इसलिए जो भी काम मिलता है, आप उसे कर लेते हैं।
अभिषेक ने उन इनसिक्योरिटीज के बारे में भी बात की जिनका सामना अक्सर एक्टर्स को करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने साथियों की सफलता को लेकर कभी असुरक्षा महसूस क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मैं क्लियर होता हूं कि मुझे यह नहीं करना है। इसका मतलब है कि मैं निश्चित रूप से यह करना चाहता हूं। इसलिए इसमें बहुत ज्यादा पक्का इरादा होता है और यह एक तरह की परिपक्वता और शांति से आता है। मुझे लगता है कि इससे आपके काम में भी मदद मिलती है। अब हम हर जगह नहीं भटकते। मैं कभी भी इस बात को लेकर इनसिक्योर एक्टर नहीं रहा कि 'वह क्या कर रहा है'। अपनी क्षमताओं को लेकर इनसिक्योर, हां। मुझे लगता है कि सभी एक्टर इस बात को लेकर इनसिक्योर होते हैं कि 'क्या मैं यह कर पाऊंगा?'
इन दिनों अभिषेक शाहरुख खान की आगामी फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस मच अवेटेड फिल्म में अभिषेक विलेन के रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी, जिसमें शाहरुख और अभिषेक के अलावा सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी, राघव जुयाल, जयदीप अहलावत, अक्षय ओबेरॉय और रानी मुखर्जी सरीखे कई नाम शामिल हैं।

आकांक्षा रंजन का अनप्रिडिक्टेबल खेल जारी 'इक्का' में करेंगी सरप्राइज

आकांक्षा रंजन अब साफ़ तौर पर ये साबित कर रही हैं कि उन्हें अपने रोल्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने से ज़रा भी डर नहीं लगता। हर नए प्रोजेक्ट के साथ वो कुछ ऐसा लेकर आती हैं जो उनके पिछले किरदार से बिल्कुल अलग होता है। इसी के चलते उनकी फिल्मोग्राफी अब एकदम रंग-बिरंगी और वर्सेटाइल बनती जा रही है।
हाल ही में 'ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2' में उन्होंने एक दिल छू लेने वाली, दयालु गांव की डॉक्टर – डॉ. गर्गी – का किरदार निभाकर खूब तारीफें बटोरी हैं। और अब आकांक्षा तैयार हैं दर्शकों को एकदम नया झटका देने के लिए, अपने आने वाले लीगल थ्रिलर 'इक्का' में। गांव की सादगी छोड़कर इस बार वो कोर्टरूम की तेज-तर्रार दुनिया में एंट्री ले रही हैं, जहां वो एक मॉडर्न यंग वुमन के किरदार में नजर आएंगी – जो उनके काम में एक और नया तड़का जोड़ता है।
'इक्का' का ट्रेलर इस इंटेंस कहानी की एक झलक देता है। एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा के बैकड्रॉप पर बनी ये कहानी एक मशहूर वकील के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे एक मर्डर के आरोपी का केस लड़ना पड़ता है। हालांकि आकांक्षा के किरदार को लेकर मेकर्स ने अभी ज़्यादा खुलासा नहीं किया है, लेकिन ट्रेलर ये इशारा ज़रूर करता है कि उनकी भूमिका कहानी में खास अहमियत रखती है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर आकांक्षा कहती हैं, 'मेरे लिए सबसे ज़्यादा मायने रखता है कि मैं अपने किरदार के ज़रिए क्या इम्पैक्ट ला सकती हूं। मैं काफी एक्साइटेड हूं कि अब दर्शक 'इक्का' की दुनिया की पहली झलक ट्रेलर के ज़रिए देख पाएंगे। मैंने पहले भी कहा है कि थ्रिलर मेरा पसंदीदा जॉनर है, तो ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए और भी रोमांचक था। मेकर्स की सोच और जिस तरह से स्क्रिप्ट मुझे सुनाई गई, उसने मुझे और भी खींच लिया। उनके विज़न में एकदम क्लैरिटी थी, और वही चीज़ मेरे साथ रह गई।' पिछले कुछ सालों में आकांक्षा ने जानबूझकर अलग-अलग जॉनर के प्रोजेक्ट्स चुने हैं। 'गिल्टी' और 'मोनिका, ओ माय डार्लिंग' में अपने दमदार परफॉर्मेंस से उन्होंने गहरी छाप छोड़ी, और फिर 'ग्राम चिकित्सालय' में डॉ. गर्गी बनकर अपना एक अलग ही सॉफ्ट और इमोशनल साइड दिखाया। अब 'इक्का' के साथ वो फिर एक नए स्पेस में कदम रख रही हैं – इस बार कहानी ज़्यादा डार्क और लेयर्ड है।
वर्क फ्रंट की बात करें तो, इस समय 'ग्राम चिकित्सालय सीज़न 2' में अपने परफॉर्मेंस के लिए सराहना बटोर रहीं आकांक्षा जल्द ही 'इक्का' में नज़र आएंगी, जिसके बाद उनके पास कई और दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं – जिनका खुलासा अभी बाकी है।

मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं

सेलिब्रिटी पर हमेशा ट्रेंड्स के साथ चलने का दबाव रहता है। ऐसा इसलिए क्योंकि फैंस उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। उन पर ये दबाव इसलिए भी रहता है कि क्योंकि ब्यूटी ट्रेंड्स रातों-रात बदल जाते हैं। हालांकि अनन्या पांडे के लिए, आज खूबसूरती का मतलब ट्रेंड्स को फॉलो करना नहीं, बल्कि अपनी असलियत को अपनाना है। बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि वह कभी भी ब्यूटी ट्रेंड्स के पीछे नहीं भागतीं, बल्कि वही चीजें अपनाती हैं, जो उन्हें स्वाभाविक रूप से पसंद आती हैं।
'कॉल मी बे' की एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं। मुझे असल में ऑनलाइन सर्च करना पड़ता है कि अभी क्या ट्रेंड कर रहा है, वरना मुझे पता ही नहीं चलेगा। मुझे बस इतना पता है कि मेरे लिए क्या सही है।'
अनन्या को फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' और 'चांद मेरा दिल' जैसी हालिया फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस के लिए तारीफ मिली, हालांकि ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाई। सफलता और असफलता दोनों का अनुभव कर चुकी यह एक्ट्रेस बड़े पर्दे के जादू में पक्का यकीन रखती हैं।
अनन्या पांडे कहती हैं 'मुझे लगता है कि सिनेमा हमेशा रहेगा। मुझे थिएटर में जाकर हर तरह की फिल्में देखना पसंद है। मुझे सबसे ज्यादा मजा हर हफ्ते रिलीज होने वाली फिल्में देखने में आता है। मेरे लिए, फिल्में देखना मेरे बड़े होने का एक अहम हिस्सा रहा है। मैं नई पीढ़ी को थिएटर जाकर फिल्में देखने और हमारे सिनेमा को जिंदा रखने के लिए प्रोत्साहित करूंगी।'

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की फिल्म 'हैवान' 11 सितंबर को रिलीज होगी

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की आगामी फिल्म 'हैवान' 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। केवीएन प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया। प्रोडक्शन हाउस द्वारा शेयर किए गए पोस्टर पर लिखा था, '11 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में। 60 ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन लेकर आ रहे हैं 'हैवान'।' 'हैवान' एक दमदार थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी। फिल्म में श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगी।
केवीएन प्रोडक्शन और थेस्पियन फिल्म्स प्रोडक्शन की फिल्म 'हैवान' को वेंकट के. नारायण और शैलजा देसाई फेन ने प्रोड्यूस किया है। इस बीच, प्रियदर्शन और अक्षय कुमार ने हाल ही में फिल्म 'भूत बंगला' के लिए फिर से साथ काम किया है। इस फिल्म में परेश रावल, जिशु सेनगुप्ता, राजपाल यादव, तब्बू, वामिका गब्बी और असरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'भूत बंगला' 2007 में रिलीज हुई 'भूल भुलैया' के बाद प्रियदर्शन की दूसरी हिंदी हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, परेश रावल, राजपाल यादव, असरानी और मनोज जोशी ने अहम भूमिकाएं निभाई हैं। यह फिल्म 2026 की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म और तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म भी बन चुकी है।
अक्षय कुमार की हालिया फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' है। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन अहमद खान ने किया है। फिल्म में एक बड़ी स्टार कास्ट है, जिसमें अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, परेश रावल, रवीना टंडन, दिशा पटानी, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, श्रेयस तलपड़े, आफताब शिवदासानी, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, तुषार कपूर और सयाजी शिंदे जैसे नाम शामिल हैं।

अगली फिल्म के लिए कई लुक अपनाएंगे सलमान

सलमान खान अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में काफी व्यस्त हैं। फिल्म में सलमान खान एक बार फिर एक्शन अवतार में नजर आ सकते हैं। इस फिल्म का फैंस को काफी इंतजार है। एक पॉडकास्ट के दौरान फिल्म के निर्माता दिल राजू ने फिल्म को लेकर काफी कुछ बताया। हाल ही में दिल राजू एक पॉडकास्ट पर पहुंचे थे। जहां उन्होंने अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे वामसी पेडिपल्ली के डायरेक्शन में बन रही फिल्म पर बहुत भरोसा है। यह अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट होगा।' इसके अलावा दिल राजू ने बताय कि यह सलमान खान की अब तक की सबसे बड़ी एंटरटेनिंग फिल्म होगी। फिल्म में जबरदस्त एक्शन और काफी कुछ होगा। पॉडकास्ट के दौरान दिल राजू ने यह भी बताया कि इस फिल्म में सलमान कई अलग-अलग लुक में नजर आएंगे। वहीं फिल्म के शूटिंग शेड्यूल की जानकारी देते हुए निर्माता दिल राजू ने कहा, 'यह फिल्म अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। हमें इसके ब्लॉकबस्टर होने की पूरी उम्मीद है। सलमान भी इसकी शूटिंग के मजे ले रहे हैं। फिल्म में भरपूर हीरोइज्म और 'वाउ फैक्टर' होगा।

ईद पर रिलीज हो सकती है फिल्म

फिल्म श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स बैनर तले बन रही है। वहीं फिल्म का निर्देशन वामसी पेडिपल्ली ने किया है। कुछ दिनों पहले ही सलमान और नयनतारा को मेकर्स के साथ मुहूर्त सेरेमनी में देखा गया था। इन दिनों वो इस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं।
फिलहाल फिल्म की बाकी कास्ट की जानकारी मेकर्स ने नहीं दी। अब दिल राजू की मानें तो इसकी शूटिंग अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। अब मेकर्स इस फिल्म को ईद 2027 तक रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं।

शेखर सुमन इस वक्त अपने शो 'शेखर टुनाइट' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो गर्दा उड़ा रहा है और काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें वह राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से बोलते हैं। शेखर ने इंटरव्यू में निडरता, सरकार से सवाल पूछने, आज की कॉमेडी और स्टैंडअप कॉमेडियंस पर बात की।

हिंदुस्तान में हास्य छिछोरा हो चुका है

आज जब सिस्टम या सरकार के खिलाफ बोलना आसान नहीं रहा, क्या शेखर को डर नहीं लगता? इस पर वह कहते हैं, 'हां, आज लोगों में बहुत डर हो गया है, पर आपको डरना क्यों चाहिए? आप कोई गुनाह थोड़ी कर रहे है? किसी को गाली थोड़ी दे रहे हैं। मैं हमेशा कहता हूं कि आपकी भाषा सभ्य होनी चाहिए। आप प्रधानमंत्री से चाहे जितने तीखे सवाल करें, मगर उनके पद की गरिमा बहुत जरूरी है। हम जब मोदी जी के बारे में बोलते हैं तो उनकी गरिमा का पूरा ध्यान रखते हैं, पर जहां वो गलत हैं, वहा उंगली भी दिखाएंगे क्योंकि हमने उन्हें चुना है। अब जो शीर्ष पर है, उनकी जिम्मेदारी बन जाती है। हमें लोंगों से भी जबरदस्त प्रतिक्रिया भी मिली है।'

टीवी चैनल्स में ऐसा शो करने का दम नहीं

इस शो को लाने की चुनौतियों और 'मूवर्स ऐंड शेखर्स' के 14 साल के लंबे अंतराल के सवाल पर वह बताते हैं, 'हर चीज का एक वक्त होता है। जब समय आता है तो चीजें अपने आप हो जाती हैं। मैं बहुत चीजों में व्यस्त था। मैंने एक फिल्म अकेडमी खोली है। मेरे नाटक 'साहिर अमृता' के 125 शो किए। मेरी इस साल 4 फिल्में/सीरीज आ रही हैं। उनकी शूटिंग थीं तो यह शो आगे-पीछे हो रहा था, पर हमारे सुपुत्र अध्ययन ने कहा लोगों का बहुत प्रेशर है और अब इसे करना ही है। तब मैंने कहा कि पहले तो इसकी परिभाषा बदली जाए कि यह कॉमेडी शो नहीं है।'

मेरे लिए 'शेखर टुनाइट' यह शो से परे है

'मेरे लिए यह एक तरह से इंकलाब है। यह एक लम्हा है जो मैं अपनी ऑडियंस के साथ गुजारता हूं। उनके साथ देश की सामाजिक-राजनीतिक बातें करता हूं। मेरे लिए यह शो से परे है। चुनौती ये थी कि इसे लाया किस प्लेटफॉर्म पर जाए क्योंकि किसी चैनल में इतना दम नहीं है कि ऐसा शो कर सके। वहां सब कायर बैठे हैं। उनका ज्ञान जीरो है। ओटीटी में भी अब वही चलन आ रहा है कि यह मत कहिए, वो मत कहिए तो मैं ऐसे बेवकूफों के आधीन काम नहीं कर सकता। इसलिए हमने यूट्यूब को चुना, जहां पूरी आज़ादी के साथ बोल सकें।'
वहीं, मौजूदा टीवी और स्टैंडअप कॉमेडी को लेकर उनका कहना है, 'मैंने खुद को और अपने शो को हास्य से बहुत दूर रखा है। मैं पहले जब कॉमेडी शो जज भी करता था तो लोग कहते थे कि आप हंसते क्यों नहीं? मैंने कहा कि आप बेवकूफी कर रहे हैं तो मुझे हंसी नहीं आ रही है। मैं हास्य से बहुत दूर हूं क्योंकि हिंदुस्तान में हास्य बहुत ही छिछोरा हो चुका है। वह अब बस लड़का लड़की बनकर, एक्टरों की नकल करके होता है। हास्य की गरिमा ही खत्म हो गई।

अध्ययन अब पीछे मुड़कर नहीं देखेगा

शेखर के शो के क्रिएटर और डायरेक्टर उनके बेटे अध्ययन सुमन हैं, जिनके लिए कभी शेखर ने फिल्म 'हार्टलेस' डायरेक्ट और प्रड्यूस की थी। बकौल शेखर, 'एक पिता के तौर पर यह बहुत गर्व और खुशी की बात है। मेरे लिए यह बहुत ही खूबसूरत साझेदारी है। जिस तरह उसने मुझे शो के प्रोमो में पेश किया वो बहुत ही क्लासी था।'

अध्ययन 19 की उम्र में मैच्योर नहीं था

'वह 19 साल की उम्र में बहुत बड़ा सितारा बन जाता तो शायद भटक जाता। तब उनमें वह मैच्योरिटी नहीं थी लेकिन तकलीफ, निराशा, असफलता आपकी जिंदगी को और पुख्ता बनाता है, तो अब वो जो इंसान बना है, उसकी समझ इतनी खूबसूरत हो गई कि वो जो काम करता है, वो बहुत कमाल करता है। यहां से वो पीछे मुड़कर नहीं देखेगा। उसे रोकने के लिए दुनिया में प्रलय होना जरूरी है, तो हम सबके लिए यह बड़ी खुशी की बात है। पहले मैं कभी फिक्रमंद होता था कि वह नहीं कर पा रहा। मैंने फिल्म भी बनाई तो मेरी पत्नी ने अभी बड़े प्यार से मेरा गाल सहलाया और कहा कि देखो, मेरे बेटे ने तुम्हारा सारा कर्ज उतार दिया।'